राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 29 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-160 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पटना में कुत्ते का आवासीय प्रमाण पत्र जारी

● पिता का नाम कुत्ता बाबू, मां का नाम कुतिया देवी लिखा; डीएम ने दिए जांच के आदेश

बिहार सरकार
Government of Bihar
फॉर्म / Form - XIII
निवास प्रमाण-पत्र / Residence Certificate
जिला / District : पटना, अनुमंडल / Sub-Division : मसौढ़ी, अंचल / Circle : मसौढ़ी
प्रमाण-पत्र संख्या : BRCCO/2025/15933581
दिनांक : 24/07/2025
प्रमाणित किया जाता है कि डॉग बाबू (Dog Babu), पिता (Father) कुत्ता बाबू (Kutta Babu), माता (Mother) कुतिया देवी (Kutiya Devi), ग्राम / मोहल्ला - काउलीचक, वार्ड संख्या -15, डाकघर - मसौढ़ी, पिनकोड - 804452, थाना - मसौढ़ी, प्रखंड - मसौढ़ी, अनुमंडल - मसौढ़ी, जिला - पटना, राज्य - बिहार के स्थायी निवासी हैं।
स्थान : मसौढ़ी
दिनांक : 24/07/2025
(हस्ताक्षर राजस्व अधिकारी / Signature Revenue Officer)

पटना (एजेंसी)। पटना के मसौढ़ी में एक कुत्ते के नाम पर आवासीय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है। मामला सामने आने के बाद पटना के वरिष्ठ अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। सर्टिफिकेट में नाम डॉग बाबू लिखा है। पिता का नाम कुत्ता बाबू और मां का नाम कुतिया देवी लिखा है। पटना के डीएम त्याग राजन ने सोमवार को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने मसौढ़ी अनुमंडल के अनुमंडलाधिकारी को जांच का जिम्मा सौंपा है।

24 घंटे के अंदर डीएम ने मांगी है रिपोर्ट

जिलाधिकारी ने 24 घंटे के अंदर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। मसौढ़ी अनुमंडलाधिकारी ने बताया कि किसी ने फर्जी तरीके से आवेदन कराया है। उन्होंने कहा कि वे इसकी गहराई से जांच कर रहे हैं।इस एप्लिकेशन को रिजेक्ट कर दिया गया है। प्रमाण पत्र की स्थिति देखने पर यह रिजेक्ट दिखा रहा है, जबकि इसे आवेदन करते वक्त ही रिजेक्ट कर दिया जाना चाहिए था। जिलाधिकारी ने सोमवार को एक्स पर बताया कि मसौढ़ी अंचल में 'डॉग बाबू' के नाम से रेजिडेंशियल सर्टिफिकेट जारी हुआ है। मामला संज्ञान में आने के बाद इसे रद्द कर दिया गया है।

● आवेदक, कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ भी मामला होगा दर्ज- डीएम ने कहा कि आवेदक, कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रमाण पत्र निर्गत करने वाले पदाधिकारी के खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि दोषी कर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

'ऑपरेशन सिंदूर पूरी तरह सफल' : राजनाथ सिंह

● गौरव गोगोई ने पूछा- पहलगाम हमले की जिम्मेदारी कौन लेगा? ● लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों का भारी हंगामा

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में आज दोपहर 12 बजे पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी थी। हालांकि, ये चर्चा अपने समय पर नहीं शुरू हो सकी। सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर लोकसभा में कुल 16 घंटे की चर्चा की जानी है। इस चर्चा में पीएम मोदी भी शामिल होंगे। चर्चा की शुरुआत रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

विपक्ष को दिया करारा जवाब- ऑपरेशन सिंदूर क्यों शुरू किया गया, इसकी जानकारी पहले भी दी गई है और आज भी मैंने सदन को दी है।

अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के कुछ लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे? मुझे लगता है उनका यह प्रश्न, हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही से प्रतिनिधित्व नहीं

कर पा रहा है।

उन्होंने एक बार भी हमसे यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि उन्हें प्रश्न पूछना ही है,तो उनका प्रश्न यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है, हां।

100 से अधिक आतंकी मारे गए – ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम हमले के तुरंत बाद, हमारे सशस्त्र बलों ने कार्रवाई की और नौ आतंकवादी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी, उनके प्रशिक्षक और संचालक मारे गए।

आतंकवादियों को मिला करारा जवाब : राजीव रंजन

सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा, 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस था, जब पीएम मोदी मधुबनी में पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करने गए थे। वहां, पीएम मोदी ने पहली बार पहलगाम की घटना पर बात की और उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उनकी कल्पना से परे जवाब मिलेगा।

56 से 36 इंच हो जाती है आपकी छाती: कल्याण बनर्जी

सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, पीएम मोदी, आप एक बार अपने एक्स हैंडल पर यह क्यों नहीं पोस्ट कर सकते थे कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कुछ भी कहा वह गलत है।

चंद्रमौलेश्वर के साथ शिव-तांडव स्वरूप में दर्शन देने निकले महाकाल

● उज्जैन में निकली सवारी, पुलिस बल ने दी सलामी; अब तक 3 लाख भक्तों ने किए दर्शन

उज्जैन (एजेंसी)। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में दोपहर एक बजे तक 3 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। विनायक चतुर्थी होने के कारण भगवान महाकाल का गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया है। उज्जैन के साथ प्रदेश के अन्य शहरों में भक्त बाबा भोलेनाथ का पूजन-अभिषेक करने पहुंचे।

उज्जैन में शाम को महाकाल की तीसरी सवारी मंदिर से निकली। इसमें भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजित हुए, जबकि भगवान श्री मनमहेश को हाथी पर और श्री शिव-तांडव की प्रतिमा को गरूड़ रथ पर विराजित किया गया। सवारी प्रारंभ होने से पूर्व मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद पालकी में विराजित भगवान को मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल ने सलामी दी।

राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट, 8 जिलों में स्कूलों की छुट्टी

● पटना जंक्शन पर ट्रैक डूबा, ट्रेनें फंसी; ओडिशा के गांवों में पानी भरा, एमपी में तेज बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर राजस्थान में एक्टिव है। इसके चलते मौसम विभाग ने राजस्थान के 14 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ 8 जिलों झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बारां, डूंगरपुर, धौलपुर और अजमेर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है।

बिहार के पटना में रविवार पूरी रात हुई बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। पटना जंक्शन पर रेल ट्रैक डूब गया है। स्टेशन के बाहर 2 फीट पानी भर गया है। पटना-गया लाइन की पैसेंजर ट्रेन अलग-अलग स्टेशन पर रुकी हुई हैं। वहीं मप्र में दिनभर बारिश हुई।

यूपी- बाराबंकी के अवसानेश्वर मंदिर में भगदड़, 2 की मौत

● जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से हादसा, 29 घायल

बाराबंकी (एजेंसी)। यूपी में बाराबंकी के अवसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रविवार रात 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना को लेकर डीएम से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

सीएमओ अवधेश यादव ने बताया- हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। 5 गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है। डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया- कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टीनशेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। करंट लगने से प्रशांत कुमार (16) और रमेश कुमार (35) की मौत हुई है। योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। अवसानेश्वर मंदिर जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के वक्त लाइन में करीब 3 हजार लोग दर्शन के लिए लगे हुए थे।

बता दें कि रविवार सुबह हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भी भगदड़ मच गई थी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

अमरनाथ यात्रा के बीच श्रीनगर में मुठभेड़

सेना ने चलाया 'ऑपरेशन महादेव' तीन आतंकी ढेर

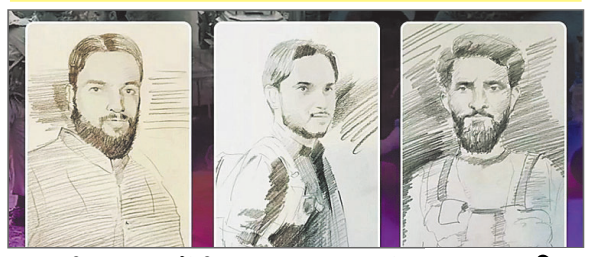

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने आज संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद श्रीनगर के हरवान इलाके के लिडवास क्षेत्र में 'ऑपरेशन महादेव' चलाया। इसके तहत सेना ने तीन आतंकियों को मार गिराया है। सूत्रों के मुताबिक, ये आतंकी प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन से जुड़े हुए थे, साथ ही ऐसी भी सूचना मिल रही है कि पहलगाम हमले में शामिल जिन तीन आतंकियों का स्कैच जारी किया गया था, शायद ये वही हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं करता है। साथ ही सेना ने भी अभी इस बात की पुष्टि नहीं की है। सेना से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार को श्रीनगर के हरवान के लिडवास इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी।

भारतीय सेना की चिनार कोर द्वारा एक्स हैंडल पर भी पोस्ट डाला गया था कि लिडवास इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है और तीन आतंकियों को सेना ने ढेर कर दिया है। इस पूरे अभियान की ड्रोन से निगरानी भी की जा रही थी।

आतंकी हाशिम मूसा ढेर

सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन में पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमांइड हाशिम मूसा के भी ढेर होने की बात सामने आ रही है। इसके अलावा स्कैच में दिख रहे दो और आतंकी सुलेमान और यासिर के भी मारे जाने की जानकारी मिल रही है।

कंबोडिया ने थाईलैंड के साथ युद्धविराम की घोषणा की

● अमेरिका और चीन ने मध्यस्थता की; जंग में अब तक 30 से ज्यादा मौतें

बैंकॉक/नोम पेन्ह (एजेंसी)। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने थाईलैंड के साथ चल रहे सीमा विवाद में युद्धविराम की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव को कम करने के लिए तत्काल लड़ाई रोकने की उम्मीद है।

चीन और अमेरिका ने इस सीजफायर में मध्यस्थता की है। दोनों देशों के बीच मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर आज शांति वार्ता हुई। इस बैठक में थाईलैंड की तरफ से कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और कंबोडिया की तरफ से प्रधानमंत्री हुन मानेट ने हिस्सा लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने की। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते बीते दिनों में भारी गोलीबारी हुई है। इसमें 33 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में ज्यादातर आम नागरिक शामिल हैं।

जैसलमेर में स्कूल का गेट गिरने से छात्र की मौत

● टीचर-5 साल की बच्ची घायल; उदयपुर में 3 कमरों का प्लास्टर गिरा, 45 बच्चे बाल-बाल बचे

जैसलमेर (एजेंसी)। जैसलमेर के पूनमनगर में सरकारी स्कूल का गेट गिरने से 1 छात्र की मौत हो गई। जबकि एक टीचर और 5 साल की बच्ची के भी चोटें आई है। टीचर को जवाहिर हॉस्पिटल रेफर किया गया है। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल का मैन एंट्री गेट गिरने से यह हादसा हुआ। इधर, उदयपुर में स्कूल के 3 कमरों का प्लास्टर गिर गया। 45 बच्चे बाल-बाल बच गए।

अरबाज खान (7) पुत्र तालब खान की दो बहनें गर्ल्स स्कूल में पढ़ती है, वहीं अरबाज करीब 100 फीट की दूरी पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में पहली क्लास में पढ़ता था। सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह अपनी बहन को लेने आया था। इसी दौरान स्कूल का मैन गेट और पत्थर गिर गए।

जालंधर-अस्पताल के आईसीयू में ऑक्सीजन सप्लाई रुकी, 3 की मौत

● डायरेक्टर बोले- छुट्टी पर था ऑपरेटर, 25 मिनट तक बाधित रही सप्लाई

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उस समय हड़कंप मच गया, जब आईसीयू में भर्ती मरीजों की ऑक्सीजन सप्लाई 2 मिनट के लिए बाधित हो गई। इस दौरान तीन मरीजों की मौत हो गई और दो की हालत बिगड़ गई, जिन्हें बाद में उपचार के बाद बचा लिया गया।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। जैसे ही मामला सरकार तक पहुंचा तो, रात को करीब सवा एक बजे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह अस्पताल पहुंचे और अधिकारियों से मीटिंग की।

सोमवार सुबह भी हालात पर नजर रखने के लिए मंत्री दोबारा अस्पताल पहुंचे। वहीं, दोपहर में पंजाब सरकार के मंत्री मोहिंदर भगत भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इसके साथ ही चंडीगढ़ से पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के डायरेक्टर डॉ. अनिल अग्रवाल ने अस्पताल की स्थिति का जायजा लिया।

बिहार में चुनाव आयोग की एसआईआर पर फिलहाल रोक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

कहा- आधार और वोटर आईडी पर विचार करे चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एआईआर) को लेकर चुनाव आयोग को अहम सुझाव दिया है। कोर्ट ने एक बार फिर आयोग से कहा है कि वह इस प्रक्रिह्राया में आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को पहचान के वैध दस्तावेज के रूप में शामिल करने पर विचार करे।

बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया। इसके तहत सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर चुनाव आयोग से कहा है कि वह बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के दौरान आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को पहचान के वैध दस्तावेज के रूप में मानने पर विचार करे। अदालत ने यह बात उस मामले की सुनवाई के दौरान कही, जिसमें यह मुद्दा उठा है कि वोटर लिस्ट की जांच प्रक्रिया में किन दस्तावेजों को मान्य माना जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से कहा है कि वे यह तय करें कि उन्हें अपनी दलीलें पेश करने में कितना समय लगेगा।

बिहार में एसआईआर को लेकर मचा है बवाल

दरअसल, कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार), शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, जेएमएम, सीपीआई और सीपीआई (एमएल) के विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से बिहार में चुनाव से पहले एसआईआ कराने के चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत में कई याचिकाएं दायर की गई हैं।

1 अगस्त से लागू होंगे यूपीआई के नए नियम

ऑटो-पे का समय बदलेगा

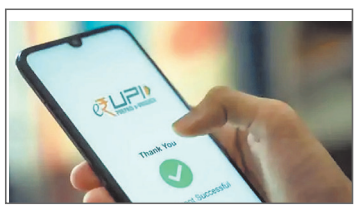

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई एप से बार-बार बैलेंस चेक करते हैं तो 1 अगस्त से ऐसा करने में आपको परेशानी हो सकती है। 1 अगस्त से आप एक दिन में 50 से ज्यादा बार यूपीआई एप के जरिए बैलेंस चेक नहीं कर सकेंगे। ये बदलाव यूजर्स, बैंकों और मर्चेंट्स, सभी के लिए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूरोपीय संघ से बाहर निकालने के बाद ब्रिटेन का भारत के साथ पहला सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी समझौता- 4 वर्षों की मेहनत रंग लाई

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ जानती है कि भारत सहित अनेको देशों पर अंग्रेजों यानें इंग्लैंड का शासन था यानें वे सभी देश गुलामी के साए में जी रहे थे। समय का चक्र ऐसा घूमा कि आज इस देश का प्रधानमंत्री भी एक भारतीय मूल का ऋषि सुनक बना था,तथा आज भी शासकीय प्रशासकीय व सरकार में मूल भारतीयों के अनेकों लोग हैं, जो ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था संभाल रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र, मानता हूं कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था कुछ अच्छी नहीं है, इसलिए ही वह आर्थिक सूची में भारत से पीछे यांने 6 नंबर पर है, व भारत चार नंबर पर है जो शीघ्र ही तीन नंबर पर होने की पूरी पूरी संभावना है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि भारत व ब्रिटेन के बीच आज 24जुलाई 2025 को व्यापकआर्थिक व्यापार समझौता (सीईटीए) व पारस्परिक दोहरा योगदान संधि (डीईसी) समझौता हुआ है, जिसका लाभ दोनों देशों की इकोनॉमी को एक बूस्टर डोज है, टेंशन के खिलाफ संजीवनी बूटी है,आर्थिक भगोड़ों का प्रत्यारर्पण संभव? इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, यूरोपीय संघ से बाहर निकालने के बाद ब्रिटेन का भारत के साथ पहला सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी समझौता-चार वर्षों की मेहनत रंग लाई।

साथियों बात अगर हम भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई 2025 को हुए ऐतिहासिक समझौते की करें तो भारत और यूनाइटेड किंगडम ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे वर्षों से चली आ रही लंबी बातचीत का अंत हुआ और उनकी आर्थिक साझेदारी में एक नए चरण की शुरुआत हुई। यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा और प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर बाज़ार पहुँच प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौता हो गया है, जिससे आर्थिक संबंध मजबूत होंगे और 2030 तक व्यापार को 120 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुए इस समझौते पर वाणिज्य मंत्री और उनके ब्रिटिश समकक्ष ने भारतीय और ब्रिटेन के पीएम की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। भारत -ब्रिटेन एफटीए से भारत के लिए प्रमुख आर्थिक लाभ प्राप्त होने का वादा किया गया है, क्योंकि इससे 99 पेर्सेंट भारतीय निर्यात पर टैरिफ समाप्त हो जाएगा, जो व्यापार मूल्य का लगभग 100 पेर्सेंट होगा।भारतीय व्यवसायों को ब्रिटेन में शून्य- शुल्क पहुँच का लाभ मिलेगा, जिसमें कपड़ा, जूते, कालीन, कार और समुद्री उत्पादों का निर्यात भी शामिल है, जिन पर वर्तमान में 4-16 पेर्सेंट का शुल्क लगता है।ब्रिटेन को भारत में स्कॉच व्हिस्की और प्रीमियम कारों जैसी विलासिता की वस्तुओं पर शुल्क में कमी देखने को मिलेगी। भारत और ब्रिटेन दोनों देशों के पीएम ने आज ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते [सीईटीए] पर हस्ताक्षर के बाद भारत और ब्रिटेन के उद्योगपतियों से मुलाकात की। बैठक में स्वास्थ्य, फार्मास्यूटिकल्स, रत्न एवं आभूषण, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, विनिर्माण, दूरसंचार, प्रौद्योगिकी, आईटी, लॉजिस्टिक्स, वस्त्र और वित्तीय सेवा क्षेत्रों के दोनों पक्षों के प्रमुख उद्योगपति उपस्थित थे। ये क्षेत्र दोनों देशों में रोजगार सृजनऔर समावेशी आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।दोनों नेताओं ने हाल के वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों में हुए विस्तार का उल्लेख किया। उद्योगपतियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने उन्हें व्यापार,निवेश और नवाचार साझेदारी को गहरा करने के लिए सीईटीए से मिलने वाले अवसरों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाकर आर्थिक विकास को गति देने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कहा कि यह नया समझौता दोनों अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में व्यापारिक भावना को बढ़ावा देगा। सीईटीए के ठोस लाभों पर प्रकाश डालते हुए, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के प्रमुख उत्पादों और नवाचारों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की। प्रदर्शनियों में रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, गुणवत्तापूर्ण उपभोक्ता उत्पाद और उन्नत तकनीकी समाधान शामिल थे।भारत-ब्रिटेन के उद्योग प्रमुखों ने ऐतिहासिक व्यापार समझौते की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा और न केवल व्यापार और अर्थव्यवस्था में, बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों, शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और स्वास्थ्य क्षेत्रों में भी सहयोग को गहरा करेगा।दोनों नेताओं ने नए समझौते की क्षमता का दोहन करने और आने वाले वर्षों में आर्थिक सहयोग के बंधनों को गहरा करने के लिए छोटे और बड़े व्यवसायों को समर्थन देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

साथियों बात अगर हम ब्रिटेन के साथ हुए करार के बाद पीएम द्वारा ऐतिहासिक समझौते की घोषणा की करें तो उन्होंने कहा,भारतीय वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण,समुद्री खाद्य और इंजीनियरिंग वस्तुओं को ब्रिटेन के बाज़ार में बेहतर पहुँच मिलेगी। ब्रिटिश बाज़ार में भारत के कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के लिए भी नए अवसर खुलेंगे।यह समझौता भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा। साथ ही, ब्रिटेन में बने उत्पाद—जैसे चिकित्सा उपकरण और एयरोस्पेस पुर्जे-भारतीय उपभोक्ताओं और उद्योग के लिए अधिक सुलभ और किफायती हो जाएँगे।भारत-ब्रिटेन एफटीए में इस स्तर पर कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) - तथाकथित कार्बन कर - शामिल नहीं है, लेकिन दोनों पक्षों ने कहा कि इस पर बाद में चर्चा की जाएगी।भारत और ब्रिटेन अगले दशक में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में विजन 2035 कार्यक्रम पर भी चर्चा करेंगे। सरकार द्वारा एफटीए एजेंडे को गति देने के बाद से किसी विकसित पश्चिमी अर्थव्यवस्था के साथ भारत का पहला बड़ा द्विपक्षीय व्यापार समझौता है,जो निर्यात बाजारों में विविधता लाने और निवेश आकर्षित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

साथियों बात अगर हम इस सीईटीए करार से किसानों मजदूरों एमएसएमई मध्यवर्गीय व व्यापार जगत को फायदा होने की करें तो, प्रमुख क्षेत्रों में बड़ी बढ़त भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत- यूके एफटीए से भारतीय किसानों को यूके के 37.5 बिलियन डॉलर के कृषि बाजार तक तरजीही पहुंच मिलेगी, जबकि डेयरी, सब्जियां, सेब, खाना पकाने के तेल और जई जैसे संवेदनशील भारतीय क्षेत्रों की रक्षा होगी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय मछुआरों के लिए एक बड़ी सफलता हासिल हुई है, क्योंकि समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क - जो वर्तमान में 20 पेर्सेंट तक है - शून्य हो जाएगा, जिससे 5.4 बिलियन डॉलर का बाजार खुल जाएगा।मंत्रालय ने बयान में कहा कि श्रम-प्रधान क्षेत्रों में रोज़गार सृजन में तेज़ी आने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय निर्यात ब्रिटेन में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर रहा है। बयान में कहा गया है कि कपड़ा और परिधान, रसायन और मूल धातुओं पर अब कोई शुल्क नहीं लगेगा,जो पहले क्रमशः12 पेर्सेंट 8 पेर्सेंट और 10 पेर्सेंट तक के टैरिफ से कम होगा।स्कॉच व्हिस्की पर सीमा शुल्क में प्रस्तावित कटौती - 150 पेर्सेंट से 75 पेर्सेंट तक, तथा उसके बाद 5 पेर्सेंट वार्षिक कटौती होंगी इस क्षेत्र से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा इससे उत्पादकों के मार्जिन में वृद्धि हो सकती है, लेकिन इससे भारतीय व्हिस्की बाजार में कोई महत्वपूर्ण बदलाव आने की संभावना नहीं है।उन्होंने कहा,आयातित स्कॉच की उपभोक्ता कीमतों में कोई खास गिरावट आने की उम्मीद नहीं है क्योंकि शराब पर लगने वाले कर का बड़ा हिस्सा राज्यों के पास है। अगर पूरी शुल्क कटौती लागू भी कर दी जाए, तो भी इससे कीमतों में प्रति बोतल केवल ₹ 100-300 की कमी आएगी—जो नए खरीदारों को आकर्षित करने के लिए बहुत कम है। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ परिधान व्यापार के एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह समझौता बाज़ार पहुँच बढ़ाएगा, परिधान क्षेत्र में निवेश और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देगा, साथ ही दोनों पक्षों के व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए नए अवसर पैदा करेगा।यह किसी विकसित पश्चिमी अर्थव्यवस्था के साथ भारत का पहला बड़ा द्विपक्षीय व्यापार समझौता है, जो निर्यात बाजारों में विविधता लाने और निवेश आकर्षित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।इसके अलावा, भारत और ब्रिटेन ने दोहरे अंशदान समझौते (डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन) नामक एक सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत पूरी कर ली है। इसके तहत, ब्रिटेन में भारतीय कामगारों और नियोक्ताओं को तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिलेगी, जिससे लगभग 75,000 भारतीय कामगारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।इस समझौते से भारतीय पेशेवरों की गतिशीलता में भी सुधार होगा, जिससे 1,800 शेफ, योग प्रशिक्षक और शास्त्रीय संगीतकार अस्थायी रूप से ब्रिटेन में सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। भारत-यूके एफटीए से भारतीय किसानों को यूके के 37.5 बिलियन डॉलर के कृषि बाजार तक तरजीही पहुंच मिलेगी, जबकि डेयरी, सब्जियां, सेब, खाना पकाने के तेल और जई जैसे संवेदनशील भारतीय क्षेत्रों की रक्षा होगी।

संपादकीय

आत्मघात की जवाबदेही

निस्संदेह, किसी छात्र की आत्महत्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की संस्थागत विफलता ही है। यदि शिक्षा व्यवस्था सतर्क-संवेदनशील रहे तो इन संभावनाओं को असमय काल-कवलित होने से बचा सकते हैं। आंध्रप्रदेश की एक 17 वर्षीय नीट छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर मार्गदर्शक टिप्पणियां की हैं। छात्रों का जीवन बचाने हेतु इस सुप्रीम गाइडलाइंस में पीठ ने देशभर के स्कूल, कालेजों और कोचिंग संस्थानों के लिये गाइडलाइंस जारी की। दरअसल, न्यायाधीश वर्ष 2022 के लिए एनसीआरबी की उस रिपोर्ट से व्यथित थे, जिसमें दर्शाया गया कि इस साल आत्महत्या करने वाले 1,70,924 लोगों में 13,044 छात्र भी शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि शिक्षा का मकसद जानकारी देना ही नहीं है, इसका उद्देश्य जीवन जीने की कला सिखाना भी है। निस्संदेह, शिक्षा का मकसद छात्रों का बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक तथा आध्यात्मिक उन्नति होना चाहिए। कोर्ट का मानना था कि शिक्षण संस्थाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकताएं बनाएं। यह भी कि मानसिक स्वास्थ्य, अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। पीठ ने देश के सभी शिक्षण संस्थानों के लिये पंद्रह दिशा-निर्देश तय किए हैं, जो इस बाबत कानून बनाने तक ये गाइडलाइंस बाध्यकारी होंगी। निःसंदेह, सुप्रीमकोर्ट पीठ के ये दिशा-निर्देश उपचारक साबित हो सकते हैं। इसमें प्रत्येक शिक्षण संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य नीति बनाने और विशेषज्ञ नियुक्त करने के निर्देश हैं। राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति व कार्यक्रमों को इस नीति में शामिल करना होगा। साथ ही जहां सौ से अधिक छात्र हों, वहां मनोवैज्ञानिक व काउंसलर नियुक्त करने होंगे। छात्रों में हीन भावना न आए, इसलिये कोचिंग संस्थान शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर कोई बैच न बनाएं। शिक्षकों व स्टाफ को वर्ष में दो बार छात्रों में आत्महत्या के संकेत पकड़ने व मानसिक स्वास्थ्य के बाबत प्रशिक्षण देना अनिवार्य होगा। सुनिश्चित हो कि समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों व शारीरिक अपूर्णता से जूझ रहे छात्रों के साथ किसी तरह का भेदभाव न होने पाए। शिक्षण संस्थान व कोचिंग के परिसर में रैगिंग, यौन उत्पीड़न तथा किसी तरह के भेदभाव से निपटने के लिये समिति बने। साथ ही पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा अभिभावकों को सचेत किया जाए कि वे छात्रों पर अंकों का दबाव न बनाएं और मानसिक तनाव के प्रति संवेदनशील रहें। संस्थान सालाना आधार पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्रवाई की रिपोर्ट हर साल यूजीसी को दें। इसके साथ ही खेल, कला व व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम का हिस्सा हो। सतर्कता हेतु हॉस्टलों को सुरक्षित बनाने तथा छत, बालकनी, पंखे जैसे स्थानों पर सेफ्टी डिवाइस लगाने के निर्देश दिए गए हैं। निस्संदेह, इन निर्देशों के अनुपालन से कई अनमोल जिंदगियां बचायी जा सकती हैं।

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

सांपों के प्रति समर्पण की सांस्कृतिक परंपरा है नाग पंचमी

(नाग पंचमी (29 जुलाई) पर विशेष)

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर 'कुश' नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात् कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी

से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए 'नाग पंचमी' त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का।

रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया।

ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

विचार मंथन

नागरिकता अब जन्म से नहीं सरकार की कृपा से

(लेखक- सनत जैन)

- जब कानून नहीं, तो किसके पास अधिकार?

भारतीय लोकतंत्र में नागरिकता सिर्फ एक कानूनी दर्जा नहीं है। एक पहचान है, जो व्यक्ति को संविधान प्रदत्त अधिकारों, जिम्मेदारियों और गरिमा से जोड़ती है। जब यह अधिकार सरकार की मनमर्जी पर टिक जाए। अदालतें भी अलग-अलग राय देने लगें। तब सवाल उठता है, इस देश में जन्म लेने और नागरिकता के लिए सरकार के भरोसे रहना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर की पुस्तक समीक्षा में इस संकट की तस्वीर सामने आई है। जो हमें सोचने को मजबूर करती है, भारतीय नागरिकता अब सरकार की दया' पर निर्भर होगी। जस्टिस लोकुर ने अपनी किताब में असम एनआरसी, विदेशी ट्रिब्यूनल्स और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) जैसे मुद्दों पर गहराई से मंथन किया है। उनका तर्क है, नागरिकता जैसे मौलिक अधिकार को तय करने की कोई ठोस, पारदर्शी और समान मानक नहीं हैं। न्यायपालिका परस्पर विरोधी निर्णय दे रही है। यह स्थिति संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों और लोकतंत्र की आत्मा के लिए बडा घातक है। एक ही प्रकार के मामले में गुवाहाटी हाईकोर्ट ने नागरिक को विदेशी ठहरा दिया। सुप्रीम कोर्ट में उन्हीं तथ्यों पर उसे 'भारतीय' माना। ऐसे में यह सवाल जरूरी हो जाता है, क्या नागरिकता अब कोई ठोस संवैधानिक अधिकार है। अथवा सरकारों की मनमर्जी का औजार बन गया है। न्यायमूर्ति की पुस्तक में स्पष्ट संकेत है, राज्य अब नागरिक के प्रति जवाबदेही के स्थान पर नागरिक से ही प्रमाण मांग रहा है। निर्धन किसान, महिला, गरीब परिवार जो झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, बिना पढ़े लिखे हैं। एक बाढ़ में सब कुछ खो देते हैं। नागरिकता साबित करने के लिए सरकारी दस्तावेज़ एवं प्रमाण जुटाने के लिए दर-दर भटकता फिर रहा है। यह प्रशासनिक ही नहीं, नैतिक रूप से संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक विफलता है। नागरिकता की यह राजनीति सरकारी हिंसा है। जिसमें एक वर्ग को संदिग्ध, अवैध और 'अन्य' के रूप में चिह्नित कर प्रताड़ित किया जा रहा है। जस्टिस लोकुर ने अपनी पुस्तक में जिस तरह की चिंता व्यक्त की है। भारत में नागरिकता से जुड़े कानून जैसे नागरिकता अधिनियम, 1955 पुरानी पड़ चुकी है। राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए कानून की मनमाफिक व्याख्या की जा रही है। सीएए 2019 मे विशेष रूप से धर्म के आधार पर नागरिकता देने की बात करता है। यह संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता पर सीधा प्रहार है। इससे न सिर्फ मुसलमानों और अल्प संख्यकों की नागरिकता को लेकर डर फैला है। नागरिकता की धारणा भी धार्मिक पहचान में सिमट गई है। विभिन्न न्यायालयों में 1500 से अधिक नागरिकता के प्रकरणों में अलग-अलग निर्णय आए हैं। यह सभी निर्णय एक दूसरे के खिलाफ हैं। न्यायपालिका को नागरिकता जैसे मूलभूत अधिकार पर संवैधानिक दृष्टिकोण और त्वरित न्याय को अपनाना होगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारत मे राष्ट्रीय नागरिकता आयोग की आवश्यकता है। जो राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त होकर संविधान के अनुसार निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से नागरिकता तय करे। 'नागरिकता' कोई उपकार नहीं, यह प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध नागरिक होने का मौलिक अधिकार है। इसे प्रमाणित करने की ज़िम्मेदारी सरकार की है। जन्म तो भगवान की मर्जी से होता है। मां-बाप और जन्म लेने वाले को अधिकार नहीं होता है।

वह किसको अपना बाप चुने। किस कुल और किस धर्म में जन्म ले। जहां जन्म लेता है, वह कर्म के आधार पर ईश्वर की मर्जी से जन्म लेता है। जन्मभूमि पर 84 लाख योनियों के जीवों का जन्मसिद्ध अधिकार है। जस्टिस लोकुर की किताब ने भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका, धार्मिक और सामाजिक अस्थिरता, राज्य की मंशा और नागरिकों की असुरक्षा पर गंभीर मंथन किया है। अगर नागरिकता का आधार भरोसे के स्थान पर भय बनकर रह जायेगा? भारत से जाकर विदेशी नागरिकता लेने वाले जिस तरह पैसे के बल पर विदेशों में नागरिकता ले रहे हैं। ठीक उसी तरह अब भारतीय नागरिक बने रहने के लिए भारत की भ्रष्ट व्यवस्था के तहत जिनके पास पैसा है। वही भारत के नागरिक रह पायेगा? भारत में अब जन्म के साथ नागरिक अधिकार नहीं रहा। उदाहरण स्वरूप जिस तरह से बांग्ला भाषी भारतीय नागरिकों के साथ अन्य राज्यों में हो रहा है। उन्हें विदेशी नागरिक मानकर बंग्ला देश में खदेड़ा जा रहा है। वह इसका प्रमाण है। यदि यही स्थिति रही तो भारत में संघीय व्यवस्था पर भी आधात है। जो नये विभाजन की जमीन तैयार कर रहा है। यह चिंता का विषय है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

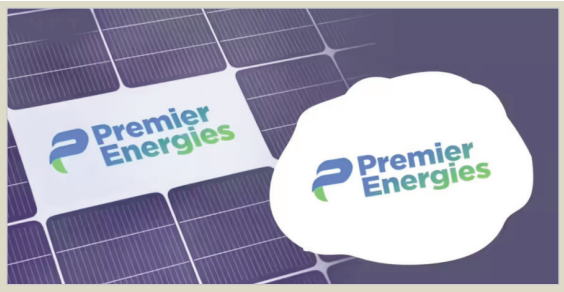

प्रीमियर एनर्जीज का मुनाफा 55 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 55 फीसदी बढ़कर 307.8 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष 198.1 करोड़ था। इस दौरान कुल राजस्व 1,668.7 करोड़ से बढ़कर 1,869.6 करोड़ हो गया। कर-पूर्व लाभ भी 402.9 करोड़ तक पहुंचा। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि ये परिणाम विनिर्माण में सुधार और नई परियोजनाओं की प्रगति का नतीजा हैं, जिससे कंपनी की भविष्य की वृद्धि की दिशा स्पष्ट होती है।

एम्बर ग्रुप ने यूनिट्रोनिक्स में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता एम्बर ग्रुप की सहायक कंपनी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने इस्राइली कंपनी यूनिट्रोनिक्स (आईएलजेआईएन) में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह डील करीब 403.78 करोड़ की ऑल-कैश डील होगी। आईएलजेआईएन, यूनिट्रोनिक्स के 56.24 लाख शेयर एनआईएस 27.75 प्रति शेयर की दर से खरीदेगी, जिससे उसे कंपनी में 40.24 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। इस सौदे के बाद यूनिट्रोनिक्स के साथ मिलकर आईएलजेआईएन की कुल नियंत्रण हिस्सेदारी 45.13 फीसदी हो जाएगी। यूनिट्रोनिक्स औद्योगिक ऑटोमेशन और स्मार्ट लॉजिस्टिक्स समाधान देने वाली अग्रणी इस्राइली कंपनी है। इस निवेश से एम्बर ग्रुप को वैश्विक टेक्नोलॉजी और ऑटोमेशन सेक्टर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अवसर मिलेगा, साथ ही स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में भी आगे बढ़ने का रास्ता खुलेगा।

छढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे 4,000 बीएसएनएल टावर

रायपुर । केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं दूरसंचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बताया कि सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरदराज के इलाकों में डिजिटल संचार को मजबूत करने के लिए 4,000 नए मोबाइल टावर लगाने की योजना पर काम कर रही है। यह टावर सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल द्वारा स्थापित किए जाएंगे। मंत्री चंद्रशेखर तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं, जहां उन्होंने आकांक्षी जिला कार्यक्रम सहित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक अनुमतियां मिलने के बाद टावरों की स्थापना चरणबद्ध ढंग से की जाएगी। उन्होंने कहा बीएसएनएल देशभर में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं प्रदान कर रही है। इन नए टावरों के माध्यम से हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल संपर्क पहुंचाने के मिशन को गति दे रहे हैं। मंत्री ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य 'मिशन मोड' में किए जा रहे हैं और सरकार का उद्देश्य है कि हर घर तक जरूरी सेवाएं पहुंचे। इसके तहत स्कूलों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है जिससे छात्रों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलेगी। साथ ही दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधाएं देने की भी व्यवस्था की जा रही है। इस पहल से न केवल संचार व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि ग्रामीण विकास, शिक्षा और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सोने के भाव 97,900, चांदी की कीमत 1 लाख के पार

नई दिल्ली ।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव सोमवार को तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के शुरुआती कारोबार में नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 33 रुपये की तेजी के साथ 97,852 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,819 रुपये था। इस समय यह 81 रुपये की तेजी के साथ 97,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 113 रुपये की तेजी के साथ 1,13,165 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,052 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 87 रुपये की तेजी के साथ 1,13,139 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,321.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,335.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,333.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल

टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.28 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.36 डॉलर था। इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 38.41 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.69 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.43 पर पहुंच गया। अमेरिका-भारत शुल्क वार्ता के केंद्र में बने रहने के कारण स्थानीय मुद्रा में तेजी हालांकि सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने से अमेरिकी डॉलर, रुपये के मुकाबले मजबूत बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सकारात्मक रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.43 के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 97.61 पर आ गया।

सोशल मीडिया और ट्रेडिंग से कमाने वालों के लिए आईटीआर नियम बदले

मुंबई । इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर-3 और आईटीआर-4 फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब सोशल मीडिया, स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग और कमीशन जैसे डिजिटल या असंगठित क्षेत्रों से कमाई करने वालों को अपनी आय नए प्रोफेशनल कोड्स के तहत दिखानी होगी। इसका उद्देश्य टैक्स प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाना और कर चोरी पर लगाम लगाना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नया कोड 16021 निर्धारित किया गया है। ऐसे व्यक्ति, जो यूट्यूब, इंस्टाग्राम या ब्लॉगिंग जैसे प्लेटफॉर्म से कमाई करते हैं, उन्हें अपनी आय इसी कोड के तहत दिखानी होगी। यदि वे अनुमानित आय योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो उन्हें आईटीआर-4 फॉर्म और धारा 44एडीए के तहत रिटर्न भरना होगा। इसी तरह शेयर बाजार और डेरिवेटिव्स में व्यापार करने वालों के लिए भी अलग कोड जारी किए गए हैं- एफएंडओ ट्रेडिंग- 21010, कैपिटल मार्केट ट्रेडिंग- 21011, सट्टा कारोबार- 21009 और कमीशन एजेंट- 09029। एफएंडओ या शेयर ट्रेडिंग करने वालों को अब आईटीआर-3 फॉर्म में अपनी पूरी आय, खर्च और लाभ-हानि की जानकारी देनी होगी। पहले टैक्सपेयर्स सामान्य कोड का उपयोग करते थे, जिससे आय के स्रोतों को समझना मुश्किल होता था। नए कोड्स से न केवल करदाताओं की सही श्रेणी तय होगी, बल्कि टैक्स विभाग के लिए भी डिजिटल आय की निगरानी करना आसान होगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 572 , निफ्टी 156 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंकों की गिरावट के साथ ही 80,891.02 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 156.10 अंक टूटकर 24,680.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं पिछले सप्ताह भी बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

आज सेंसेक्स की 30 में से 23 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए और केवल सात कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इसी प्रकार 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी की केवल 15 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि 35 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा 1.23 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में आज सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज एशियन पेंट्स के शेयर 1.00, आईसीआईसीआई बैंक 0.82, पावरग्रिड 0.43, एचडीएफसी बैंक 0.18, आईटीसी 0.11 और इंफोसिस के शेयर 0.03 फीसदी बढ़कर बंद हुए। दूसरी ओर बजाज फाइनेंस के शेयर 3.64, भारती एयरटेल 2.35, टाइटन 2.17, टीसीएस 1.76, बीईएल 1.48, एचसीएल टेक 1.47, एक्सिस बैंक 1.25, अडाणी पोर्ट्स 1.21, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.17, एसबीआई 1.16, एटरनल 1.09, टाटा स्टील 1.08, ट्रेंट 0.89, टेक महिंद्रा 0.81, टाटा मोटर्स 0.73, एलएंडटी 0.61, मारुति सुजुकी 0.57, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.34 फीसदी टूटकर बंद हुए। आज बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.7 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

फार्मा को छोड़कर, बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। प्रेस्टीज और ओबेरॉय रियल्टी के शेयरों में गिरावट के कारण रियल्टी शेयरों पर दबाव बना रहा। मिडकैप

शेयरों में मामूली बढ़त दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप शेयरों में थोड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार जानकारों के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली, विदेशी कोषों की लगातार निकासी और एशियाई बाजारों से कमजोर संकेतों से भी बाजार गिरा है।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 81,299 पर खुला। इसी तरह निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,782 पर खुला।`` फिलहाल यह 58.85 अंक की गिरावट लेकर 24,778 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। निवेशक आज स्टॉकहोम में शुरू होने वाली अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता पर और स्पष्टता का इंतज़ार कर रहे थे।

अगस्त में 15 दिन बैंक रहेंगे बंद

- त्योहारों के अलावा रविवार और शनिवार के नियमित अवकाश भी शामिल

नई दिल्ली ।

अगस्त का महीना त्योहारों और राष्ट्रीय छुट्टियों से भरा रहेगा, जिससे देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होंगी। इस महीने कुल 15 दिन बैंक अलग-अलग राज्यों में बंद रहेंगे। इनमें त्योहारों के अलावा रविवार और शनिवार के नियमित अवकाश भी शामिल हैं। बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश होता है, साथ ही रविवार को सभी बैंकों में छुट्टी रहती है। अगस्त 2025 में त्योहारों की भरमार के कारण कई अतिरिक्त छुट्टियां भी रहेंगी। महीने की शुरुआत 3 अगस्त को रविवार के साथ होगी, जब सभी बैंकों में छुट्टी रहेगी। 8 अगस्त को सिक्किम में टें डोंग लो रम फाट के कारण गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे। 9 अगस्त को रक्षा बंधन और झूलन यात्रा जैसे पर्व मनाए जाएंगे। साथ ही यह दूसरा शनिवार भी होगा, जिससे देशभर के बैंकों में अवकाश रहेगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, पारसी नववर्ष और जन्माष्टमी एक साथ पड़ने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 16 अगस्त को कई राज्यों में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा, जिनमें भोपाल, पटना, जयपुर, चेन्नई और अन्य प्रमुख शहर शामिल हैं। 19 अगस्त को अगरतला में महाराज बीर बिक्रम की जयंती के कारण बैंक नहीं खुलेंगे। 25 अगस्त को असम में श्रीमंत शंकर देव की तिथि पर गुवाहाटी में अवकाश रहेगा। 27 और 28 अगस्त को गणेश चतुर्थी मनाई जाएगी, जिसके कारण मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर और पणजी समेत कई शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा 10, 17, 24 और 31 अगस्त को रविवार होने की वजह से देशभर में बैंकिंग सेवाएं बाधित रहेंगी। 23 अगस्त को चौथा शनिवार होने से भी बैंक बंद रहेंगे। इसलिए बैंक से जुड़े कार्यों की योजना बनाने से पहले अवकाश की तारीखों की जांच अवश्य कर लें। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं हालांकि सामान्य रूप से चालू रहेंगी।

एयरटेल की नेक्सट्रा ने एम्पिन के साथ किया समझौता

- नए समझौते के बाद दोनों कंपनियों के बीच ऊर्जा साझेदारी 200 मेगावाट से अधिक हुई

नई दिल्ली । एयरटेल की अनुषंगी कंपनी नेक्सट्रा ने सोमवार को एम्पिन एनर्जी के साथ एक नए समझौते के तहत 125.65 मेगावाट अतिरिक्त अक्षय ऊर्जा हासिल करने की घोषणा की। इस नए समझौते के बाद दोनों कंपनियों के बीच कुल नवीकरणीय ऊर्जा साझेदारी 200 मेगावाट से अधिक हो गई है। नेक्सट्रा बाय एयरटेल और एम्पिन एनर्जी ट्रांजिशन ने इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़े सौर-पवन हाइब्रिड ऊर्जा संयंत्र के माध्यम से यह नई ऊर्जा साझेदारी की है। इससे पहले भी नेक्सट्रा ने एम्पिन एनर्जी से करीब 75 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

शंघाई में रोबोट डॉग्स 2025 विश्व एआई कांफ्रेंस में कंपनी के बूथ पर डांस करते हुए। इस कांफ्रेंस में विश्व की सबसे नई एआई तकनीक की जानकारी दी गयी है।

टीसीएस करेगी 12,000 कर्मचारियों की छंटनी

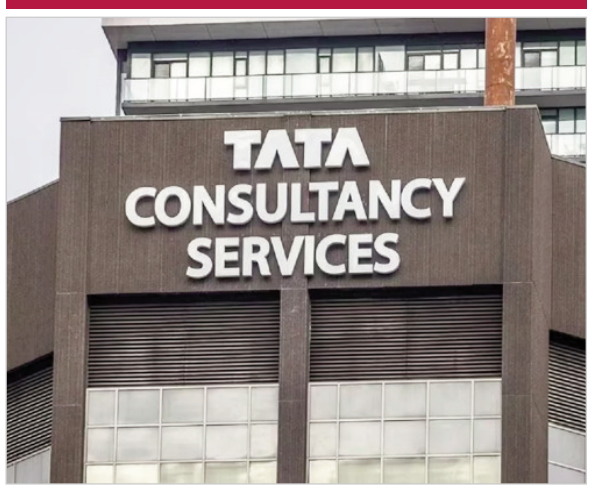

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अगले साल अपने वैश्विक वर्कफोर्स में से करीब 2 प्रतिशत (लगभग 12,000 कर्मचारी) कम कर सकती है। कंपनी के इस फैसले के पीछे तेजी से बदलती तकनीक, खासतौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नए ऑपरेटिंग मॉडल्स की ओर बढ़ता रुझान है। टीसीएस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी कहा कि कंपनी काम करने के अपने तरीके में बदलाव कर रही है और बड़ी संख्या में एआई का उपयोग कर रही है। इसके साथ ही भविष्य की जरूरतों के अनुसार स्किल्स का मूल्यांकन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ भूमिकाएं ऐसी हैं जो अब भविष्य में जरूरी नहीं रहेंगी, इसलिए यह फैसला लेना अनिवार्य हो गया है। कंपनी में जून 2025 तक कुल 6.13 लाख कर्मचारी कार्यरत थे। यदि 2 प्रतिशत की छंटनी होती है, तो यह करीब 12,000 कर्मचारियों पर असर डालेगी। यह छंटनी खासतौर पर मिड और सीनियर लेवल के कर्मचारियों पर केंद्रित होगी। हाल ही में टीसीएस ने अपनी बेंच नीति में भी बदलाव किया है। अब कर्मचारियों को साल में कम से कम 225 दिन बिल योग्य रहना होगा और बेंच टाइम 35 दिन से कम रखना जरूरी होगा।

सरकारी और निजी कंपनियों को हर साल कराना होगा साइबर सिक्योरिटी ऑडिट

साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लिया गया यह फैसला

नई दिल्ली ।

भारत सरकार की डिजिटल जोखिम विश्लेषण एजेंसी इंडियन कंप्यूटर इमर्जेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों को साल में कम-से-कम एक बार थर्ड पार्टी साइबर सुरक्षा ऑडिट कराना अनिवार्य होगा। यह पहली बार है जब निजी क्षेत्र के लिए ऐसा निर्देश जारी किया गया है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, यह नियम उन सभी संगठनों पर लागू होगा जिनके पास डिजिटल सिस्टम, प्रक्रियाएं या इंफ्रास्ट्रक्चर है, या वे उसका संचालन करते हैं। इसके अलावा, किसी भी बड़े तकनीकी बदलाव, सिस्टम ओवरहॉल या कॉन्फ़िग्रेशन बदलाव से पहले भी साइबर ऑडिट जरूरी होगा। सीईआरटी-इन ने कहा है कि ऑडिट प्रक्रिया जोखिम आधारित और डोमेन-विशिष्ट होनी चाहिए, जो संबंधित कंपनी के कार्य क्षेत्र, खतरे की स्थिति और परिचालन जरूरतों के

अनुरूप हो। संगठनों को अब जोखिम मूल्यांकन, पेनिट्रेशन टेस्टिंग, नेटवर्क और सूचना सुरक्षा ऑडिट, सोर्स कोड समीक्षा, और एप्लिकेशन सुरक्षा परीक्षण जैसे उपायों को अपनाना होगा। इसके साथ ही न्यूनतम विशेषाधिकार नीति को लागू करना भी जरूरी होगा, ताकि कर्मचारियों को केवल उनकी भूमिका के अनुसार ही सीमित पहुंच दी जा सके।

रिमोट एक्सेस देने वाले संगठनों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी एक्सेस एन्क्रिप्टेड, टनल्ड और लॉग की गई हो। यह निर्णय बढ़ते साइबर खतरों और संवेदनशील इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के मद्देनज़र लिया गया है। इससे साइबर स्वच्छता को देशभर में एक नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 5 अगस्त से खुलेगा

नई दिल्ली ।

मध्य प्रदेश स्थित टोलवे ऑपरेटर और ईपीसी इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का आईपीओ निवेश के लिए 5 अगस्त से खुलेगा और 7 अगस्त को बंद होगा। इस पब्लिक इश्यू का प्राइस बैंड 70 प्रति शेयर तय किया गया है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 25 के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जिससे लगभग 35.71 फीसदी लिस्टिंग गेन की संभावना बनती है। आईपीओ में 97.5 करोड़ मूल्य के नए शेयर जारी किए जाएंगे। एंकर निवेशकों के लिए यह इश्यू 4 अगस्त को खुलेगा और शेयरों का आवंटन 8 अगस्त को फाइनल होगा। कंपनी के शेयर 12 अगस्त से स्टॉक मार्केट में लिस्ट होंगे। हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर का मुख्य कारोबार टोलवे कलेक्शन, ईपीसी प्रोजेक्ट्स और रियल एस्टेट से जुड़ा है। मई 2025 तक कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 666.3 करोड़ की रही, जिसमें से 606.8 करोड ईपीसी सेगमेंट और 59.5 करोड़ टोलवे बिजनेस से आए। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय में 77 फीसदी हिस्सा टोलवे कलेक्शन और 21 फीसदी ईपीसी से आया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रचा इतिहास ! 19 साल की दिव्या देशमुख ने जीता चेस वर्ल्ड कप, बनीं पहली भारतीय महिला चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा चेस सनसनी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है! सिर्फ 19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया के बाटुमी में हुए इस प्रतिष्ठित वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हंपी को शिकस्त देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह चेस वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला चेस स्टार बन गई हैं।

यह दिव्या के करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने पिछले साल ही जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। अब इस खिताबी जीत के साथ ही वह भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं।

भारत ने पक्का किया था खिताब

जॉर्जिया के बाटुमी में पिछले करीब 3 हफ्तों से महिला चेस वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा था। दिव्या देशमुख ने पहले फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा, और फिर भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी भी फाइनल में पहुँच गईं। इससे यह तय हो गया था कि जीत चाहे जिसकी भी हो, खिताब भारत के हिस्से में ही आएगा और पहली बार कोई भारतीय महिला चेस वर्ल्ड कप चैंपियन बनेगी। मगर इस बार युवा जोश के आगे अनुभव को शिकस्त मिली।

कांटे की टक्कर और टाईब्रेक में फैसला

दिव्या और कोनेरू के बीच शनिवार, 26 जुलाई को फाइनल में पहली टक्कर हुई थी। इसमें 19 साल की इंटरनेशनल मास्टर दिव्या जीत के करीब नज़र आ रही थीं, मगर आखिरी मौके पर उन्होंने एक गलती की और कोनेरू ने वापसी करते हुए मैच को ड्रॉ करवा दिया। फिर रविवार को दोबारा दोनों की टक्कर हुई और इस बार भी मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऐसे में चैंपियन का फैसला करने के लिए टाईब्रेक की नौबत आई।

फाइनल के शुरुआती दोनों मैच क्लासिकल फॉर्मेट में खेले गए, लेकिन टाईब्रेक रैपिड फॉर्मेट में खेला जाना था। इस फॉर्मेट में 38 साल की कोनेरू को दिव्या की तुलना में ज्यादा मजबूत खिलाड़ी माना जा रहा था। मगर सोमवार, 28 जुलाई को हुए टाईब्रेक मुकाबले में कहानी एक दम पलट गई। दिव्या ने अपनी दोगुनी उम्र की कोनेरू को उनके ही गेम में फंसाया और गलती के लिए मजबूर कर दिया। आखिरकार दिव्या ने टाईब्रेक में शानदार जीत दर्ज करते हुए

खिताब अपने नाम कर लिया। सिर्फ 19 साल की उम्र में यह खिताब जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह भी एक संयोग ही है कि उन्होंने यह बड़ी उपलब्धि भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर को हराकर ही हासिल की है।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में

जानकारी देते हुए कहा, 'ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा।'

पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

गांगुली एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेले जाने के समर्थन में उतरे

कोलकाता (एजेंसी)। एक ओर जहां पहलगाम आतंकी हमले के बाद क्रिकेट प्रशंसक भारतीय टीम के पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में मैच खेलने का विरोध कर रहे हैं। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि मैच होने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का 14 सितंबर को आमने-सामने होंगे। गांगुली ने कहा कि खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम जैसी घटना नहीं होनी चाहिए थी पर खेल में बाधा नहीं आनी चाहिये। आतंकवाद को रोका जाना चाहिये। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार आतंकवाद रोकने के लिए पूरी

ताकत से प्रयास कर रही है। देश ने ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रुख अपनाया है पर खेलों को रोकना ठीक नहीं हैं।'

वहीं गांगुली के इस बयान की आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से हमारे देश में लोगों की जान जा रही है तक उससे कैसे खेला जा सकता है। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों और लोगों ने सोशल मीडिया पर गांगुली से यह पूछ है कि क्रिकेट मैच को पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सामान्य करने का जरिया किस कारण से माना जाना चाहिए जबकि उसकी ओर से लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं ? वहीं गत दिवस ही पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरउद्दीन ने कहा था कि एशिया कप में पाक के साथ नहीं खेला जाना चाहिये। हाल में भारतीय रिटायर्ड क्रिकेटरों ने भी पाकिस्तान के साथ लंदन में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दिया था।

ऋषभ ने टीम को दिया संदेश, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराबरी पर लायें

मैनचेस्टर । भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा है कि वे अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करें। अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पीछे चल रही है। पैर में फ्रैक्चर के कारण ऋषभ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान ऋषभ ने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी जबरदस्त बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया था। वह तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की यॉर्कर पर चोटिल हुए थे। चोट के कारण वह रिटायर हो गये थ पर जरुरत पड़ने पर दोबारा मैदान पर उतरे। अंतिम दिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच बराबरी पर ला दिया। कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों और केएल राहुल की जुझारू 90 रनों की पारी की बदौलत मेजबान इंग्लैंड को ड्रॉ के लिए मजबूर कर दिया। मैच के बाद ऋषभ ने एक वीडियो में कहा, यह मेरी तरफ से बस एक छोटा-सा भाव था। व्यक्तिगत लक्ष्य के बारे में सोचने के बजाय, टीम को जीत दिलाने या आगे बढ़ाने के लिए, जो कुछ भी करना पड़े करना चाहिये। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से सभी ने मेरा समर्थन किया, वह वाकई शानदार था। टीम पर दबाव था, हालात कठिन थे, लेकिन जब पूरा देश एक ही उद्देश्य के लिए आपके साथ खड़ा हो जाता है, तो वह अहसास कुछ अलग ही होता है। इस भावना को शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं कितना गर्व महसूस करता हूं। मैं अपनी टीम को बस यही संदेश देना चाहता हूं कि दोस्तों, चलो इस सीरीज को जीतते हैं। चलो, हमें देश के लिए ऐसा करना है। वहीं इस बल्लेबाज की सराहना करते हुए हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, जो ऋषभ ने टीम के लिए किया है, वही जज्बा मौजूदा टेस्ट टीम का आधार होगा।

इंडिया चैम्पियंस हार के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर हुई

लंदन। यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया। इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है। वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है। इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये। इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये। मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए। वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये। हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए। चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए। दूसरी ओर पवन नेगी ने 4 ओवर में 62 और विनय कुमार ने 4 ओवर में 54 रन दिये। इसके बाद जीत के लिए मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया चैम्पियंस 8 विकेट पर 200 रन ही बना पाये।

पहले की अपेक्षा आज के दौर में बल्लेबाजी आसान हुई : पीटरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का कहना है कि आज के दौर में बड़े स्कोर बनाना पहले से काफी आसान हो गया है। इसलिए भी खिलाड़ी आसानी से नये रिकार्ड बना रहे हैं। पीटरसन के अनुसार ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली टीमों के पास पहले जैसे घातक गेंदबाज नहीं हैं। इससे मुकाबले बल्लेबाजों की ओर झुक गये हैं। पीटरसन के इस बयान से एक नई बहस शुरु हो सकती है। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की

सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद पीटरसन का ये बयान आया है। अब तक दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग थे। इसी को लेकर पीटरसन ने सोशल मीडिया में कहा, 'मेरी बात पर नाराज न हों पर ये सही है कि आजकल बल्लेबाजी करना 20 से 25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। पहले के दौर में खौफनाक गेंदबाजों के कारण बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना कठिन था। पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी-20 मैच खेले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए। पीटरसन ने अपने जमाने के कई गेंदबाजों के नाम लिए और पूछा है कि आज इनके स्तर का कोई भी गेंदबाज किसी भी टीम के पास है क्या ? साथ ही कहा कि अगर है तो वे केवल 10 गेंदबाजों के नाम बताएं जिनकी तुलना पहले के गेंदबाजों से की जा सकते। उन्होंने कहा, 'वकार यूनुस, शोएब अख्तर, वसीम अकरम, सकलेन मुश्ताक, अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह, डोनाल्ड, शॉन पोलाक, मैक मैक्ग्रा, बैट ली, शेन वार्न, डेनियल विटोरी व कर्टली एंबोस जैसे गेंदबाजों को सामना करना बेहद कठिन होता था।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज : पोंटिंग

मैनचेस्टर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरुआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा।

पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

पोंटिंग ने भारतीय प्रबंधन से अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जैसे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स

और कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और ओली पोप प्रमुख उदाहरण हैं। अपनी असंगतियों और अक्सर खराब फॉर्म के बावजूद वे सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के रूप में टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप उन पर भरोसा करते हैं और उनका समर्थन करते रहेंगे, तो वे किसी न किसी मोड़ पर आपके लिए बड़ी, मैच विजेता पारियां जरूर खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों पर खेलने के लिए तैयार रहें इंग्लैंड के बल्लेबाज : स्मिथ

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज आजकल घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर उन्हें आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में हालात बिलकुल अलग होंगे। स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज अभी सपाट पिचों पर बड़े स्कोर बनाकर खुश हो रहे हैं पर ये उनके लिए अच्छा नहीं होगा। साथ ही कहा कि बल्लेबाजों को अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया में ऐसी पिचें नहीं मिलेंगी। स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार साल के दौरान देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए विकेट काफी कठिन रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी पर यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। एशेज की तैयारी कर रहे स्मिथ इंग्लैंड-भारत सीरीज पर भी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत और इंग्लैंड की सीरीज देख रहा हूं और वहां शानदार क्रिकेट खेला गया है, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है। स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर अंकुश लगाते हुए दर्शकों का मनोरंजन करने की जगह पर अब मैच जीतने पर ज्यादा ध्यान देना शुरु कर दिया है। इस क्रिकेटर ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने हालातों के हिसाब से खेलना शुरू कर दिया है जबकि पहले वे आक्रामक खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते थे। वे अब मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जो शायद उनकी पिछली टिप्पणियों से अलग है। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेल रही है पर स्मिथ, जो आगामी हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर की कप्तानी करेंगे अभी इंग्लैंड में ही हैं। हालांकि उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक टी20 प्रारूप में खेलते रहेंगे जिससे कि ओलंपिक में भागीदारी कर सकें।स्मिथ ने कहा, मैंने एकदिवसीय क्रिकेट खेलना बंद करने का फैसला किया जिससे मैं और अधिक फ्रेंचाइजी के लिए खेल सकूं और ओलंपिक टीम में जगह बना सकूं।

गंभीर , बोले इंग्लैंड के खिलाड़ी शतक के करीब होने तो भी ड्रॉ की पेशकश करते यही करते स्टोक्स?

मैनचेस्ट । भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच के अंतिम दिन भारतीय बल्लेबाजों रवींद्रे जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को ड्रॉ का प्रस्ताव देने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की आलोचना की है। गंभीर ने कहा कि अगर मेजबान टीम का कोई बल्लेबाज शतक के करीब होता तो क्या स्टोक्स मैच समय से पहले समाप्त करने (ड्रॉ) के लिए तैयार होते। स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को आउट करने में असफल रहने पर मैच ड्रॉ कराने का प्रस्ताव रखा। इसे भारतीय बल्लेबाज ने ठुकरा दिया जिससे मामले में विवाद हो गया। गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने करारा जवाब दिया। स्टोक्स ने मैच को ड्रॉ करने का प्रस्ताव दिया उस समय 15 ओवर शेष थे। रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर अपने शतक के करीब थे और इसी कारण भारत ने ड्रॉ की पेशकश ठुकरा दी। जडेजा और सुंदर दोनों ने शतक बनाए। गंभीर ने ड्रॉ न लेने के फैसले का पूरी तरह समर्थन करते हुए कहा कि क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के शतक के करीब होने पर भी समय से पहले ड्रॉ का फैसला लेता। गंभीर ने कहा, 卐अगर कोई 90 पर बल्लेबाजी कर रहा है और दूसरा 85 पर हो तो क्या वे अपने शतक के अधिकारी नहीं हैं? क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के इसके करीब होने पर मैदान छोड़ देता? नहीं हमारे खिलाड़ियों ने विपरीत हालात में बल्लेबाज कर ये शतक लगाये हैं।

'उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है', शुभमन गिल की कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को गौतम गंभीर की दो टूक

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद कप्तान शुभमन गिल का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने उन आलोचकों को आड़े हाथों लिया है, जो गिल की कप्तानी और मानसिक ताकत पर सवाल उठा रहे थे। गंभीर का कहना है कि गिल में अपार प्रतिभा है और वो लगातार खुद को साबित कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल का शानदार शतक

मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। कप्तान शुभमन गिल ने जबरदस्त शतक लगाया, जिसने भारत को मैच ड्रॉ कराने की दिशा में मजबूत कर दिया। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने भी शतक जड़ते हुए टीम को संकट से निकाला।

आलोचकों को गंभीर का जवाब

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने कहा, 'शुभमन गिल की प्रतिभा पर कोई शक नहीं होना चाहिए। जो लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन जो लोग खेल को समझते हैं, वो पहले से जानते हैं कि गिल क्या कर सकते हैं।' गंभीर ने आगे कहा कि अगर गिल शतक नहीं भी बनाते, तो टीम उनके साथ खड़ी रहती। 'शुभमन को ड्रेसिंग रूम में हर किसी का समर्थन है। वो एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और कप्तानी का बोझ लेकर नहीं खेलते। जब वो क्रीज पर उतरते हैं, तो सिर्फ बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, कप्तान की नहीं।'

क्यों हुई गिल की आलोचना?

दरअसल, इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रनों की बड़ी बढ़त ली थी। इस दौरान गिल के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए। उन्होंने अनुभवी मोहम्मद सिराज की जगह डेब्यू कर रहे अंशुल कम्बोज को नई गेंद सौंपी। साथ ही वॉशिंगटन सुंदर को काफी देर बाद गेंदबाजी पर लगाया, जब तक इंग्लैंड के टॉप बल्लेबाज रन बना चुके थे।

रिकॉर्ड पर बनाया गिल ने इतिहास

शुभमन गिल इस सीरीज में अब तक तीन शतक लगा चुके हैं। वह इंग्लैंड की सरज़मीं पर एक टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उनका यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ कप्तान ही नहीं, बल्कि शानदार बल्लेबाज भी हैं।

सीरीज में भारत अब भी पीछे

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद इंग्लैंड अब भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 31 जुलाई से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। अगर भारत यह टेस्ट जीतता है, तो सीरीज 2-2 से बराबर होगी, वरना इंग्लैंड सीरीज जीत जाएगा।

स्टोक्स ने की थी जडेजा से मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर । यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया। इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही। इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरुआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फैर दिया। ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया। जिससे मेजबान टीम और भी झल्ला गयी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसून शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम से बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव
बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।
अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।
बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।
पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।
नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।
समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

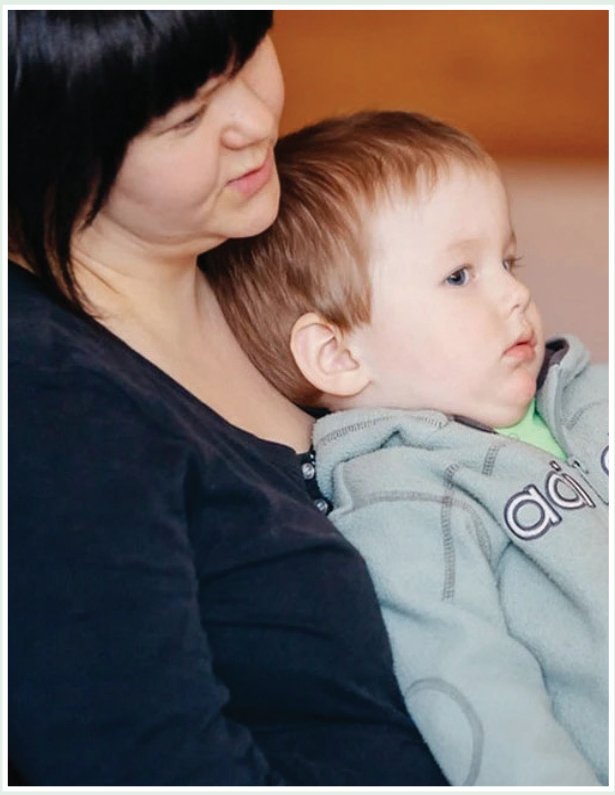

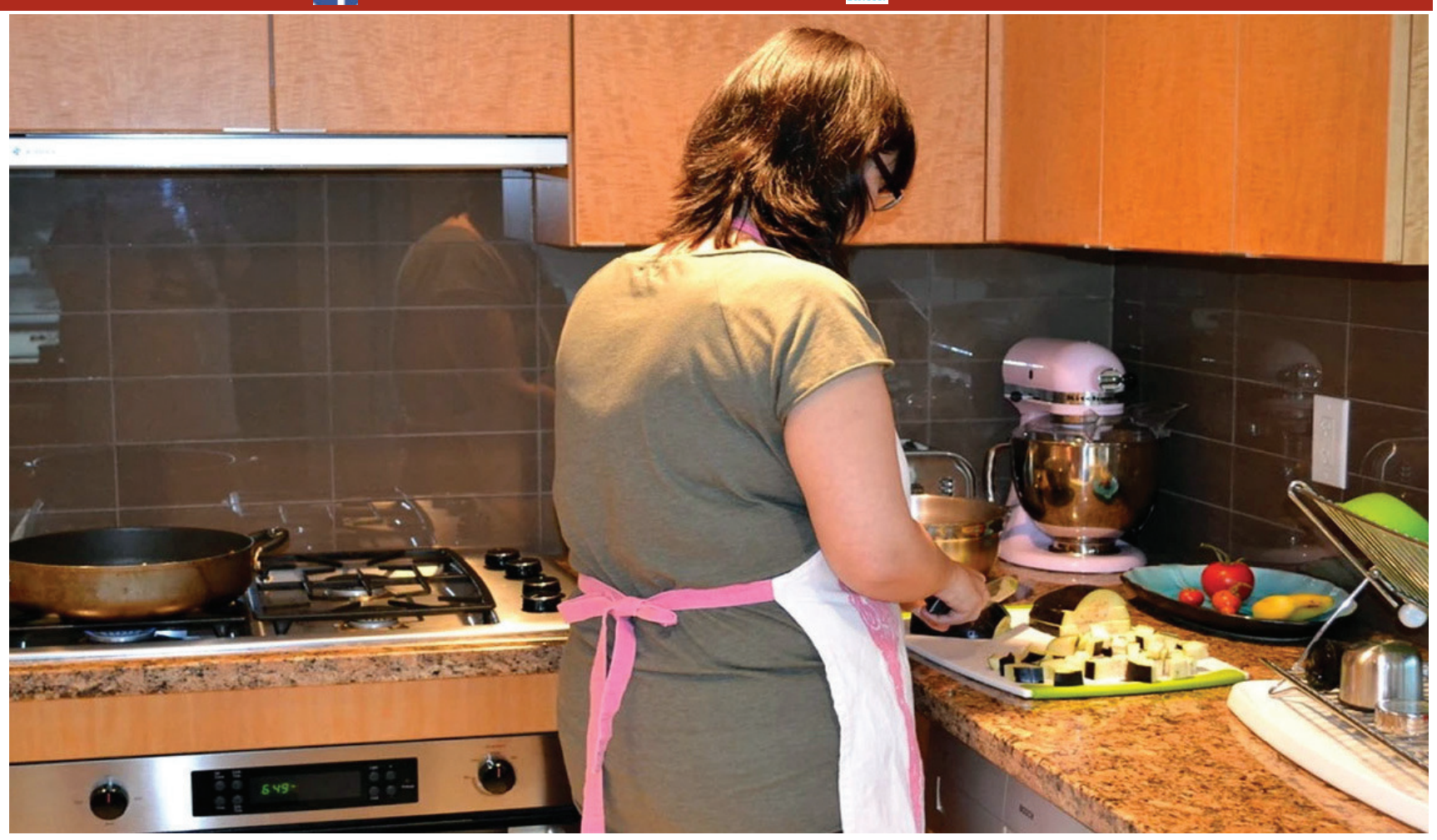

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी~इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं - मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में रखें। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं - तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं - तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं - अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें 卐? नमो भगवते वासुदेवाय卐 या 卐हरि ?卐 जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला -तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर - यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल -
तुलसी को सूखने न दें, रोज़ पानी दें।
-उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।
-तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

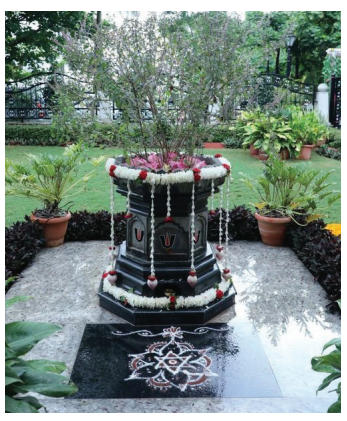

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लाट्स को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकम मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगंवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइट्स लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गेनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गेनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गेनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लुधियाना में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप नहर में गिरी, 4 की मौत, कई लापता

- नैना देवी के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु

लुधियाना । पंजाब के लुधियाना जिले में देर रात एक दुखद सड़क हादसा हुआ, जिसमें हिमाचल प्रदेश के माता नैना देवी मंदिर से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी महिंद्रा पिकअप गाड़ी जगेड़ा नहर पुल के पास असंतुलित होकर नहर में जा गिरी। इस हादसे में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 से 4 लोग अभी भी लापता हैं। पिकअप में लगभग 24 से 26 लोग सवार थे, जो लुधियाना के मानकवाल गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि गाड़ी ओवरलोड थी और एक वाहन को ओवरटेक करते समय गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह सीधे नहर में गिर गई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने मदद के लिए आवाज लगाई और रेस्क्यू टीमों को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासन की टीमों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। अब तक करीब 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। रेस्क्यू ऑपरेशन देर रात तक जारी रहा और प्रशासन ने बचाव कार्यों को तेजी से अंजाम देने के लिए टीमों को अलर्ट पर रखा है। हादसे में घायल हुए कई लोग हुसैनपुरा गांव के निवासी हैं, जिनमें सरबजीत कौर, सुरिंदर सिंह, जसविंदर कौर, स्वर्णजीत कौर, भाग सिंह, काका सिंह, कमलजीत कौर और संदीप कुमार शामिल हैं। इन सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान जरनैल सिंह (52), मंजीत कौर (58), सुखमन कौर (डेढ़ साल) और आकाशदीप सिंह (8 वर्ष) के रूप में हुई है। शवों को रात लगभग 2 बजे लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को सहायतार्थ हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

अमरनाथ यात्रा : 1,635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी रवाना

-अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। । 3 जुलाई से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा में अब तक 3.77 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए हैं। सोमवार को 1635 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को श्रीनगर में दशनामी अखाड़ा भवन के अंदर श्री अमरेश्वर मंदिर में 'छड़ी स्थापना' समारोह हुआ। अधिकारियों ने बताया कि छड़ी पूजन 29 अगस्त को नाग पंचमी के दिन इसी मंदिर में मनाया जाएगा। वहीं, छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा 4 अगस्त को पवित्र गुफा से शुरू होगी।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया कि सोमवार को 1,635 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू से रवाना हुआ। 17 वाहनों का पहला काफिला 374 यात्रियों को लेकर सुबह 3.25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 42 वाहनों का दूसरा काफिला 1,261 यात्रियों को लेकर सुबह 4 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। यह यात्रा पहलगाम हमले के बाद हो रही है, जिसमें आतंकियों ने 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी। जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से गुफा मंदिर तक के पूरे रास्ते और दोनों आधार शिविरों के रास्ते में सभी पारगमन शिविरों को सुरक्षा बलों ने सुरक्षित कर लिया है। अमरनाथ यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होगी, जो श्रावण पूर्णिमा और रक्षा बंधन का दिन है।

निमिषा प्रिया के परिवार का यमन पहुंचना : हूती प्रशासन को धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन की जेल में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया का परिवार, इसमें उनकी बेटी मिशेल और पति थॉमस शामिल हैं, यमन के सना पहुंच गया है। ईसाई इवैंजलिस्ट केए पॉल ने यमन के हूती प्रशासन से निमिषा प्रिया को रिहा करने की अपील की है। उन्होंने निमिषा की फांसी टालने के लिए हूती प्रशासन को धन्यवाद भी दिया है। पहले निमिषा की फांसी की तारीख 16 जुलाई तय की गई थी, लेकिन सुन्नी ग्रैंड मुफ्ती कांथापुरम एपी अबूबकर मुसलियार की मध्यस्थता के बाद टाल दिया गया था। केए पॉल ने हूती विद्रोहियों के नेता अब्दुल मलिक अल हूती को न्यूयॉर्क में सितंबर में होने वाली ग्लोबल पीस समिट में शामिल होने का न्यौता भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रेम घृणा से ज्यादा ताकतवर होता है और यमन में शांति स्थापित करने के लिए प्रयासों का आग्रह किया। हालांकि, भारत और अमेरिका सहित कई देश यमन के हूती प्रशासन को मान्यता नहीं देते हैं, जिससे निमिषा प्रिया के मामले में मध्यस्थता आसान नहीं है। मृतक यमनी नागरिक तलाल अब्दो के परिवार ने ब्लड मनी लेने से इंकार कर दिया है।

लाडकी बहिन योजना पर बोले डिप्टी सीएम अजित- करेंगे कार्रवाई और वापस ली जाएगी रकम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से इसका लाभ लिया। इस मामले में अब डिप्टी सीएम अजित का बयान सामने आया जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि ऐसा हुआ है तो कार्रवाई की जाएगी और रकम वापस ली जाएगी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इन 14,298 पुरुषों ने 10 महीनों तक सीधे नकद प्राप्त करके राज्य के खजाने को 21.44 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाया है। पिछले साल शुरू की गई इस योजना के तहत 2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों की 21 से 65 साल की आयु की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए देने का वादा किया गया है। यह धनराशि उनके स्वास्थ्य, पोषण और सामान्य कल्याण के लिए है। एनसीपी (एसपी) की वर्किंग प्रेसिडेंट सुप्रिया सुले ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री माझी लाड़ली बहना स्कीम के तहत करीब 14,000 पुरुषों को फायदा मिल रहा है। इन पुरुषों को करीब 21 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

कौन होगा नया उपराष्ट्रपति, एनडीए-इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार को लेकर कर रहे मंथन

-राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदारों में, चुनाव आयोग ने शुरु की प्रक्रिया

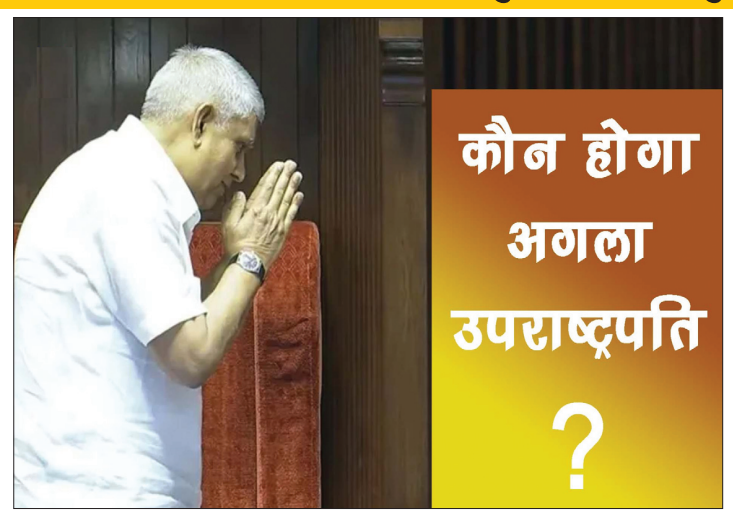

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश को जल्द ही नया उपराष्ट्रपति मिलने वाला है और इसके लिए सियासी हलचल तेज हो गई है। एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही अपने-अपने उम्मीदवार के नाम को अंतिम रूप दे रहे हैं। आयोग ने चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी है और राज्यसभा के महासचिव को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी अपने संगठन से जुड़े किसी अनुभवी और वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध चेहरे को उम्मीदवार बना सकती है। इसके लिए साथी दलों की सहमति भी ली जाएगी। ओबीसी समुदाय से आने वाले किसी नेता का नाम चर्चा में है, तो वहीं जेडीयू से राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी दावेदार माने जाते हैं। उनके सरकार से अच्छे संबंध हैं। बीजेपी ने हमेशा इन पदों के लिए चौंकाने वाले नाम दिए हैं।

बता दें लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है, जबकि इंडिया ब्लॉक के पास 234 सदस्य हैं। राज्यसभा में एनडीए के पास 130 के करीब सांसद हैं, वहीं इंडिया ब्लॉक के 79 सांसद हैं। दोनों सदनों में कुल सदस्य संख्या 782 है। उपराष्ट्रपति पद के लिए कम से कम 392 वोटों की जरूरत होगी और एनडीए के पास 423 सांसदों का समर्थन माना जा रहा है। ऐसे में एनडीए के उम्मीदवार का उपराष्ट्रपति बनना तय माना जा रहा है।

एनडीए के पास साफ बहुमत है, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन ने साफ कर दिया है कि वे इस चुनाव में पार्टी का उम्मीदवार उतारेंगे, ताकि राजनीतिक संदेश दिया जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पिछले दिनों कहा था कि इंडिया ब्लॉक की बैठक जल्द होगी और सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष का मानना है कि संख्या पूरी तरह उनके खिलाफ नहीं है और उन्हें मुकाबले से पीछे नहीं हटना चाहिए। बता दें पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाल ही में स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखकर कहा कि वे स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और डॉक्टरों की सलाह मानने के लिए इस्तीफा दे रहे हैं। उपराष्ट्रपति होने के नाते धनखड़ राज्यसभा के सभापति भी थे, इसलिए इस पद की खाली जगह को भरना संसदीय कार्यप्रणाली के लिहाज से बेहद जरुरी है।

योगी आदित्यनाथ के नाम रिकॉर्ड, यूपी के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री पद पर रहकर रचा इतिहास

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करते हुए राज्य के सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने स्वतंत्र भारत के पहले मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत का आठ वर्ष 127 दिन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए अब तक आठ वर्ष चार माह और 10 दिन का प्रभावी कार्यकाल पूरा कर लिया है। इससे पहले मुलायम सिंह यादव छह वर्ष 274 दिन, संपूर्णानंद पांच वर्ष 345 दिन, अखिलेश यादव पांच वर्ष चार दिन और नारायण दत्त तिवारी तीन वर्ष 314 दिन मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे हैं। भाजपा का कहना है कि योगी आदित्यनाथ का यह कार्यकाल न सिर्फ राजनीतिक स्थिरता का प्रतीक है, बल्कि शासन के प्रत्येक क्षेत्र में सुधार, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विकास की गति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने वाला कालखंड भी है। अपराध और अराजकता से जूझते यूपी को मुख्यमंत्री योगी ने 'नए उत्तर प्रदेश' में बदलने का काम किया, जहां कानून का राज सर्वोपरि है और शासन व्यवस्था सुशासन का पर्याय बन चुकी है। विगत आठ वर्षों में योगी सरकार ने प्रदेश को बुनियादी ढांचे, निवेश और रोजगार के क्षेत्र में नए आयाम दिए हैं। गोरखपुर से एम्स की स्थापना हो, पूर्वांचल-एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे या फिल्म सिटी जैसे कई मेगा प्रोजेक्ट्स इसके उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, मुफ्त राशन वितरण, उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

महुआ मोइत्रा मामले में सीबीआई ने लोकपाल को सौंपी रिपोर्ट

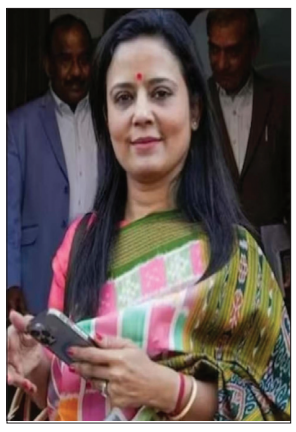

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने लोकसभा में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से जुड़े पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के कथित मामले में लोकपाल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी जानकारी देकर बताया कि सीबीआई ने लोकपाल की सिफारिश पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत बीते साल 21 मार्च को महुआ और हीरानंदानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

महुआ पर भ्रष्ट आचरण में लिप्त होने और हीरानंदानी से रिश्वत व अन्य अनुचित लाभ लेकर 'अपने संसदीय विशेषाधिकारों से समझौता करने का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने लोकसभा सदस्य होने के नाते मिली लॉगिन आईडी और पासवर्ड शेयर करके राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने मामले में अपनी जांच के निष्कर्ष लोकपाल को सौंप दिए हैं, जो आगे की कार्रवाई तय करेगा।

बात दें कि मोइत्रा बीते लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर सीट से जीती थीं। दिसंबर 2023 में उन्हें 'अनैतिक आचरण के आरोप में सदन से निष्कासित किया था। महुआ ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लोकपाल ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की ओर से मोइत्रा पर लगे आरोपों की प्रारंभिक जांच के आधार पर सीबीआई को निर्देश जारी किए। बीजेपी सांसद दुबे ने आरोप लगाया था कि महुआ ने कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कैश और गिफ्ट लेकर संसद में सवाल पूछे थे।

आयोग के ताजा आंकड़ों ने चौंकाया- बड़ी संख्या में घट सकती है मतदाताओं की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या आमतौर पर बढ़ती रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 1977 के बाद से हुए सभी विधानसभा चुनावों (2000 में झारखंड बनने के बाद बिहार की बची विधानसभा सीटों के आधार पर) और 2004 के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों (झारखंड बनने के बाद पहला लोकसभा चुनाव) के आंकड़ों की जांच की। इस दौरान हर लगातार चुनाव में मतदाताओं की संख्या बढ़ी, सिवाय 2005 के फरवरी और अक्टूबर विधानसभा चुनावों के बीच, जब मतदाताओं की संख्या 52.7 मिलियन से घटकर 51.3 मिलियन (2.5 प्रतिशत की कमी) हो गई।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (सर) के तहत मतदाता सूची की गणना के दौरान 72.4 मिलियन फॉर्म इकट्ठा हुए हैं। यह संख्या 24 जून को राज्य में दर्ज मतदाताओं की संख्या से 6.5 मिलियन (8 प्रतिशत) कम है, जो कि एसआईआर शुरू होने से एक दिन पहले थी। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 4.8 मिलियन (6.2 प्रतिशत) कम है। 2020 के राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान की संख्या से 1.2 मिलियन (1.6 प्रतिशत) कम है। निर्वाचन आयोग ने रविवार को यह जानकारी दी। इस तरह बिहार में मतदाताओं की संख्या में स्पष्ट कमी आई है। हालांकि, अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होनी है। 2005 में हुए दो विधानसभा चुनावों के बाद से पहली बार कमी आई है।

बिहार जैसे उच्च प्रजनन दर वाले राज्य में मतदाताओं की संख्या में कमी आना 2005 में भी हैरान करने वाला था, जब 2003 के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दो साल बाद और लोकसभा चुनाव के बाद यह कमी देखी गई। बिहार की उच्च प्रजनन दर के कारण 2001 से 2011 की जनगणना के बीच राज्य में वयस्कों की संख्या 28.5 प्रतिशत बढ़ी। हालांकि, इस दौरान राज्य से पलायन की दर भी तेज हुई। 2025 में अब तक के एसआईआर में देखी गई मतदाताओं की संख्या में कमी को अभी सुधारने का समय है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे और आपत्ति की अवधि में मतदाताओं को फिर से सूची में जोड़ा जा सकता है। साथ ही, जो युवा 1 अक्टूबर तक 18 साल के हो जाएंगे, उन्हें भी इस दौरान मतदाता सूची में शामिल किया जा सकता है। इससे आंकड़ों में थोड़ा बदलवा हो सकता है। 2005 का रुझान दिखाता है कि बिहार में मतदाताओं की संख्या में कमी आना असंभव नहीं है। लेकिन, अगर 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या 2020 के विधानसभा चुनाव (73.6 मिलियन) या 2024 के लोकसभा चुनाव (77.3 मिलियन) से कम रहती है, तो यह बिहार में दुर्लभ घटना होगी। 24 जून को 78.9 मिलियन मतदाताओं से 27 जुलाई को 72.4 मिलियन तक 8 प्रतिशत की कमी, 2005 में फरवरी से अक्टूबर के बीच 2.5 प्रतिशत की कमी से भी बड़ी और तेज गिरावट है, जो एक साल से कम समय में हुई।

सपा प्रमुख का सवाल: आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

-एशिया कप में भारत-पाक क्रिकेट मैच होने पर विदेश नीति की आलोचना

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले, भारत की विदेश नीति और यूपी की योगी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए आतंकवाद, विदेश नीति की असफलता और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों पर बात की। चिंदबरम के बयान पर अखिलेश ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सरकार से जवाब मांगा और कहा कि इस हमले में शामिल आतंकियों की सटीक जानकारी जनता को नहीं दी गई। अखिलेश ने पूछा कि पिछले हमलों में शहीद हुए जवानों के बारे में भी पूरी जानकारी क्यों नहीं दी गई? आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या कर रही है?

पहलगाम हमले के बाद भारत ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ सभी रिश्ते खत्म हो जाएंगे, लेकिन एशिया कप में दोनों देशों के बीच फिर से क्रिकेट मैच होने पर अखिलेश ने विदेश नीति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारी विदेश नीति असफल रही हैं। भारत का सम्मान कई देश करते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कोई हमारे साथ खड़ा नहीं होता है। उन्होंने चीन के साथ व्यापार पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत चीन को इतना व्यापार दे रहा है, फिर भी हमारी सीमाओं पर खतरा बरकरार है। सरकार को 10 साल का कार्यक्रम बनाना चाहिए, जिसमें चीन का सामान भारत में न आए। जैसे नोटबंदी और कोविड में थाली बजाने जैसे अभियान चले, वैसे ही स्वदेशी को बढ़ावा देने का अभियान चले।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड कोई उपलब्धि नहीं है। अगर काम न करने का रिकॉर्ड बनता, तो सीएम योगी पहले नंबर पर होते। उन्होंने डबल इंजन की सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लखनऊ से दिल्ली तक कोई सुरंग खोद रहा है, लेकिन जनता को इसका पता नहीं। विकास के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है। अखिलेश ने जनता से जागरूक रहने और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने की अपील की।

कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की... 2024 से जुलाई 2025 के बीच

हवेरी जिला में सबसे ज्यादा 128 किसानों ने की आत्महत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में किसानों की आत्महत्या का संकट थम नहीं रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2024 से जुलाई 2025 के बीच कर्नाटक में 981 किसानों ने आत्महत्या की। 1 साल 4 महीने के वक्त में इतनी खुदकुशी किसानों की दयनीय स्थिति को दिखाती है। यह स्थिति राज्य में कृषि संकट और अपर्याप्त समर्थन की गंभीर तस्वीर बया करती है। हवेरी जिला इस सूची में सबसे शीर्ष है, जहां अब तक 128 किसानों ने आत्महत्या की। इसके बाद मैसूरु (73), धारवाड़ (72), और बेलगावी (71) का नंबर आता है। वहीं, बेंगलुरु शहरी, बेंगलुरु ग्रामीण, उडुपी, और कोलार जिलों में कोई भी किसान आत्महत्या दर्ज नहीं हुई।

अन्य जिलों में हासन (47), बीदर (45), शिवमोग्गा (45), गदग (44), यदगिर (43), दावणगेरे (42), चिक्कमगलूरु (39), मांड्या (39), बागलकोट (35), चित्रदुर्गा (34), विजयपुरा (27), रायचूर (25), कोप्पल (25), तुमकुरु (17), उत्तर कन्नड़ (14), दक्षिण कन्नड़ (1), कोडगु (1), बल्लारी (1), और चामराजनगर (1) में आत्महत्याएं दर्ज की गईं।

कर्नाटक सरकार ने 807 प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिया है, लेकिन 18 मामलों में राहत अभी भी लंबित है। किसानों की आत्महत्या के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं, जैसे कर्ज का बोझ, फसल की विफलता, कम आय, और बाजार तक पहुंच की कमी। इसके अलावा कर्नाटक में बार-बार सूखा, अनियमित बारिश, और महंगे कृषि निवेश ने किसानों को आर्थिक तंगी में धकेला है। हालांकि कर्नाटक सरकार ने समय-समय पर कर्ज माफी, बीज और उर्वरक सब्सिडी दी है। सरकार की ओर से गठित समितियों और राहत पैकेज के बावजूद, आत्महत्याओं की संख्या में कमी नहीं आ रही है। किसान संगठनों और विपक्षी दलों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि किसानों को उचित फसल मूल्य, ऋण राहत और बेहतर सिंचाई सुविधाएं प्रदान की जाएं।

गुजरात में केजरीवाल और बिहार में प्रशांत राजनीति में एक ही राह पर

-दोनों ने ही बीते उपचुनावों में अपने प्रतिद्वंदियों को दिखा दी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप नेता अरविंद केजरीवाल और जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर राजनीति में एक ही राह पर हैं। दोनों की राजनीतिक गतिविधियों को देखकर लगता है, दोनों ने इलाका अलग-अलग चुना है। अरविंद केजरीवाल गुजरात में सक्रिय हैं, तो प्रशांत बिहार में जन सुराज मुहिम चला रहे हैं। केजरीवाल और प्रशांत में एक और कॉमन बात है, दोनों ही बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। केजरीवाल ने अभी गुजरात में आम आदमी पार्टी के चुनावी एक्शन प्लान के बारे में कुछ नहीं बताया। अपनी सरकार बनाने का दावा तो हर पार्टी चुनावों में करती है, प्रशांत भी कर रहे हैं। केजरीवाल तो 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में ही ऐसा दावा कर चुके हैं। केजरीवाल और प्रशांत दोनों ने बीते उपचुनावों में अपनी अहमियत तो दर्ज कराई दी है और इसलिए उनके दावों को सीधे सीधे खारिज भी नहीं किया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने तो अभी गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत दिलाई और 2024 में बिहार की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जन सुराज पार्टी को पहली बार में ही 10 फीसदी वोट दिलाकर प्रशांत ने भी सबका ध्यान खींचा है। गुजरात की विसावदर सीट और पंजाब की लुधियाना वेस्ट सीट पर उपचुनाव उस दौर में हुआ, जब केजरीवाल दिल्ली चुनाव में पार्टी की हार से अंदर तक हिल चुके थे। शायद दिल्ली शराब घोटाले में जेल भेजे जाने से भी ये बड़ा झटका था, लेकिन केजरीवाल ने आगे का सफर ऐसे प्लान किया जैसे गूगल मैप गलत टर्न ले लेने पर री-रूट करने के बाद नया रास्ता बना देता है और नया रास्ता केजरीवाल को उस पड़ाव तक तो पहुंचा ही दिया, जहां वह पहुंचना चाहते थे।

विसावदर और लुधियाना वेस्ट की जीत ने केजरीवाल में जोश भर दिया है और वह उत्साह के साथ गुजरात के चुनावी मैदान में कूद चुके हैं, जबकि चुनाव में अभी दो साल बाकी हैं। सवाल है कि आने वाले गुजरात चुनाव में केजरीवाल को क्या हासिल होने वाला है? विसावदर की जीत, ऐसी बातें समझने का आधार तो हो सकती है, लेकिन मॉडल नहीं। विसावदर में जाहिर है, आप ने बीजेपी और कांग्रेस दोनों को शिकस्त दी है, लेकिन ये भी नहीं भूलना चाहिये कि उन्हीं मानदंडों की मिसाल है, जो अरविंद केजरीवाल की कामयाबी का फॉर्मूला है। बता दें विसावदर भी आम आदमी पार्टी से पहले कांग्रेस के हिस्से में ही थी। बीजेपी तो जीत के लिए पहले से ही जूझ रही है।

गुजरात में केजरीवाल का रोल तो वोटकटवा जैसा ही है, और बिहार में वैसा ही प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी करने वाली है। गुजरात में तो साफ है कि केजरीवाल कांग्रेस का ही वोट काटेंगे और बीजेपी को उसका फायदा मिलेगा। नए सिरे से देखें तो जो व्यवहार दिल्ली में कांग्रेस ने आपप के साथ किया, बिल्कुल वैसा ही और फायदा बीजेपी को मिलना तय है, जिस रास्ते प्रशांत किशोर का कैंपेन चल रहा है, उससे तो यही लगता है कि आरजेडी और कांग्रेस के साथ-साथ प्रशांत के उम्मीदवार नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को भी नुकसान पहुंचाएंगे। जैसे 2020 में चिराग पासवान ने डैमेज किया था। चिराग का निशाना साफ नजर आ रहा था, प्रशांत का छिपा हुआ एजेंडा है। ऊपर से चिराग और प्रशांत दोनों ही एक-दूसरे की जमकर तारीफ भी कर रहे हैं। कुछ न कुछ तो अंदर ही अंदर पक रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में गायब हो रहे लोग, छह माह में 752 लापता, 117 लोग मारे गए; सरकारी दमन की खुली पोल

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान में बलोचों के साथ होने वाले सरकारी दुर्व्यवहार पर बलोच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने एक अर्ध-वार्षिक मानवाधिकार रिपोर्ट (जनवरी-जून 2025) जारी की है। इसमें बलूचिस्तान प्रांत में व्यवस्थित और व्यापक सरकारी दमन को लेकर तथ्य पेश किए गए हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) के मुताबिक, बीवाईसी ने अपनी रिपोर्ट में सिर्फ आंकड़े ही नहीं दिए बल्कि बलोचों की सामूहिक पीड़ा, अन्याय और सांविधानिक सुरक्षा उपायों के पतन का रिकॉर्ड भी पेश किया है। बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलोच ने कहा, रिपोर्ट के निष्कर्ष पीड़ितों के परिवारों, प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय मानवाधिकार संगठनों की गवाही पर आधारित हैं, जो जबरन गायब किए जाने और न्यायेतर हत्याओं में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में 752 लोगों को जबरन गायब किया गया। इनमें से 181 को बाद में रिहा कर दिया गया, जबकि 25 की कथित तौर पर हिरासत में मौत हो गई। 546 व्यक्तियों का ठिकाना अज्ञात है। बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि मकरान क्षेत्र में सबसे अधिक संख्या में लोग गायब हुए, जिनमें फ्रंटियर कोर (एफसी) के कर्मियों को मुख्य अपराधी बताया गया। रिपोर्ट में 117 न्यायेतर हत्याओं में अधिकांश फर्जी मुठभेड़ों और हिरासत में हत्याओं से जुड़ी हुई हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के विभिन्न इलाकों में एक साथ कई सशस्त्र अभियानों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने पिछले दिनों एक उच्च पदस्थ अधिकारी समेत कम से कम 23 पाकिस्तानी सैन्यकर्मियों को मार गिराया और खुफिया एजेंसियों से जुड़ी सैन्य सुविधाओं और संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने संकेत दिया कि समूह के लड़ाकों ने मस्तुंग, कलात, जमुरान, बुलेदा और क्वेटा जैसे स्थानों पर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाया और नुश्की, दलबंदिन और पंजगुर में भी हमले किए।

न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी के छात्रावास में गोलीबारी, वीडियो गेम खेलने को दौरान हुआ झगड़ा; एक की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अल्बुकर्क इलाके में न्यू मेक्सिको यूनिवर्सिटी के छात्रावास में शुक्रवार की सुबह गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में 14 वर्षीय छात्र की मौत हो गई है। वहीं 19 वर्षीय एक अन्य छात्र घायल है। गोलीबारी के बाद सैंकड़ों छात्रों को यूनिवर्सिटी परिसर से सुरक्षित निकाला गया और संदिग्ध की तलाश की गई। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद छात्रों को सिर्फ मेस में खाना खाने जाने की इजाजत है और छात्रों को घटनास्थल से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस प्रमुख ट्रॉय वीस्लर ने बताया कि दोपहर लगभग 2 :30 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। संदिग्ध की पहचान 18 वर्षीय जॉन फ्यूएंटेस के रूप में हुई है। न्यू मेक्सिको राज्य पुलिस के अनुसार, 18 वर्षीय जॉन फ्यूएंटेस पर प्रथम श्रेणी की हत्या, मारपीट, गंभीर हमले और सबूतों से छेड़छाड़ के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। फ्यूएंटेस को बिना जमानत के हिरासत में रखा जाएगा और वह तब तक हिरासत में रहेगा जब तक कि जिला अदालत उसकी रिहाई की शर्तें तय नहीं कर देती। पुलिस अधिकारियों ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जब गोलीबारी शुरू हुई, तब संदिग्ध समेत चार लोग अपने छात्रावास के कमरे में वीडियो गेम खेल रहे थे। इसी दौरान संदिग्ध ने गोलीबारी की, जिसमें 14 वर्षीय किशोर की गोली लगने से मौत हो गई और बाकी लोग कमरे से भाग गए। एक 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल हुआ है।

रूस और यूक्रेन में हवाई हमलों में 4 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन के बीच रात भर चले हवाई हमलों में दोनों देशों के दो-दो लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के दक्षिणी नीपर और उत्तर-पूर्वी सूमी क्षेत्रों पर रॉकेट और ड्रोन से संयुक्त हमला हुआ। नीपर क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख सेरही लिसाक ने बताया कि इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 5 घायल हो गए। उधर, रूस में यूक्रेनी ड्रोनों ने रात भर कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। कार्यवाहक गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने कहा, यूक्रेन की सीमा से लगे रोस्तोव क्षेत्र में हुए ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई।

इस्राइल ने वरिष्ठ हिजबुल्ला कमांडर को मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बिंट जेबिल सेक्टर में हिजबुल्ला के वरिष्ठ कमांडर अली अब्द अल-कादर इस्माइल को मार गिराया। आईडीएफ ने कहा कि इस्माइल दक्षिणी लेबनान में आतंकवादी संगठन के पुनर्वास के प्रयासों में शामिल था। इस बीच इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ड्रूज समुदाय के आध्यात्मिक नेता शेख मुआफाक तारिफ के घर का दौरा किया और सीरिया में अपने भाइयों की सहायता करने का संकल्प लिया। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, जूलिस गांव का दौरा करते हुए, काट्ज ने कहा कि सेना दक्षिणी सीरिया के ड्रूज समुदाय के लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए काम करेगी।

गाजा में भूख से रोते-रोते मर गई मासूमः जन्म से भी कम रह गया था वजन

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा पट्टी में भुखमरी से हालात विकट हो गए हैं। बच्चे भूख से तड़प-तड़प कर मर रहे हैं, और वयस्कों को रोजाना भूख मिटाने के लिए जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। ऐसी ही एक कहानी है पांच महीने की बच्ची जैनब अबू हलीब की, जिसने भूख के चलते रो-रोकर दम तोड़ दिया। मां एसरा अबू हलीब ने अपनी पांच महीने की बेटी को आखिरी बार चूमा और रो पड़ी। बच्ची का वजन अब उसके जन्म के समय से भी कम रह गया था। इस बच्ची की मौत ने लोगों को अंदर तक झकझोर दिया है।

गाजा की एक धूप वाली सड़क पर, जैनब की छोटी सी लाश 21 महीने के युद्ध और खाने की चीजों पर इस्राइली रोक के बाद हुई एक और भूख से मौत का उदाहरण बन गई। बच्ची को शुक्रवार को गाजा के नासिर अस्पताल लाया गया था, लेकिन तब तक वह मर चुकी थी। एक कर्मचारी ने उसकी मिकी माउस वाली शर्ट हटाकर उसकी खुली आंखों पर रख दी। उसकी पतली टांगें और उभरी हुई हड्डियां देखकर साफ लग रहा था कि वह बहुत कुपोषित थी।

तीन किलो से ज्यादा था जैनब के जन्म का वजन : बच्ची की मां एसरा ने बताया कि जैनब का जन्म का वजन 3 किलो से ज्यादा था, लेकिन जब उसकी मौत हुई, तब उसका वजन 2 किलो से भी कम रह गया था। बच्ची को एक सफेद चादर में लपेटकर दफनाने की तैयारी की गई। उसके लिए नमाज पढ़ी गई और अल्लाह से दुआ की गई।

अब तक 85 बच्चों ने भूख और कुपोषण से तोड़ा दम : गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि युद्ध के दौरान अब तक 85 बच्चे भूख और कुपोषण से मारे गए हैं। कुल मिलाकर 127 लोगों की मौत भूख से जुड़ी बीमारियों से हो चुकी है। जैनब के पिता ने कहा कि उनकी बेटी को एक खास दूध (शिशु फॉर्मूला) की जरूरत थी, जो गाजा में नहीं मिल रहा था। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची को गाय के दूध से एलर्जी थी और इसलिए उसे एक खास प्रकार के दूध की जरूरत थी। उस दूध की कमी से बच्ची को दस्त, उल्टी और संक्रमण हो गया। वह कुछ भी निगल नहीं पा रही थी और बहुत कमजोर हो गई थी।

6 हफ्ते तक ही जैनब को स्तनपान करा पाई मां : जैनब का परिवार एक तंबू में रहता था, क्योंकि वे भी युद्ध के कारण अपने घर से बेघर हो गए थे। उसकी मां एसरा भी भूख और कमजोरी से पीड़ित है। एसरा ने बताया कि वे जैनब को सिर्फ 6 हफ्ते तक ही स्तनपान करा पाईं, उसके बाद उसे फॉर्मूला दूध देना जरूरी हो गया था। मां ने कहा, मेरी बेटी के बाद और भी बच्चे मरेंगे। हम और हमारे बच्चे बस एक गिनती बनकर रह गए हैं। कोई हमारी परवाह नहीं करता। अब ज्यादा कुपोषित बच्चे पहुंच रहे अस्पताल अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि अब बहुत ज्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार होकर अस्पताल आ रहे हैं। एक छोटे से विभाग में जहां सिर्फ 8 बिस्तर हैं, वहां 60 से ज्यादा बच्चे भर्ती हैं। जमीन पर भी गद्दे बिछाकर इलाज किया जा रहा है। एक और क्लिनिक में हर हफ्ते लगभग 40 कुपोषित बच्चों को लाया जा रहा है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि जब तक इस्राइल खाने और दवाइयों को गाजा में आने की अनुमति नहीं देगा, तब तक और ज्यादा मौतें होती रहेंगी। गाजा में डॉक्टर और राहतकर्मी इस्राइल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को इसके लिए जिम्मेदार मानते हैं। खाने की कमी से गाजा में अकाल जैसे हालत बन गए हैं। गाजा को हर दिन 500-600 ट्रकों की जरूरत मार्च में जब युद्धविराम खत्म हुआ, तब इस्राइल ने करीब ढाई महीने तक गाजा में खाना, दवाई और ईंधन की सप्लाई बंद कर दी थी, ताकि हमास पर दबाव डाला जा सके। बाद में मई में, अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद थोड़ी राहत दी गई। इस्राइल का कहना है कि उसने मई से अब तक 4,500 ट्रकों को गाजा में आने दिया है, जिनमें 2,500 टन शिशु आहार भी शामिल था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, गाजा को हर दिन 500 से 600 ट्रकों की जरूरत है, जबकि अब सिर्फ 69 ट्रक आ पा रहे हैं।

भूखमरी से जूझते गाजा के लिए इस्राइली सेना ने 3 इलाकों में फायरिंग रोकने का किया एलान

गाजा पट्टी , एजेंसी। गाजा में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच इस्राइली सेना ने रविवार को घोषणा की कि वह

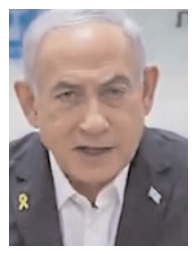

गाजा के तीन प्रमुख इलाकों में सामरिक विराम (टैक्टिकल पॉज) लागू करेगी। इस कदम का उद्देश्य इलाके में तेजी से फैल रही भूख और मानवीय संकट को कुछ हद तक कम करना है। सेना ने कहा कि मुवासी, दीर अल-बलह और गाजा सिटी में हर दिन सुबह 10 बजे से रात आठ बजे तक सैन्य कार्रवाई रोकी जाएगी। यह रोक अगली सूचना तक लागू रहेगी। इन इलाकों को इसलिए चुना गया है क्योंकि यहां राहत सामग्री पहुंचाने में लगातार दिक्कतें आ रही थीं और आबादी तेजी से खाद्य संकट से जूझ रही है। राहत सामग्री के लिए बनाए जाएंगे सुरक्षित रास्ते इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि वह अब इन इलाकों में सुरक्षित मार्ग तय करेगी ताकि राहत एजेंसियां भोजन और अन्य जरूरी सामान जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा सकें। सेना का कहना है कि इससे विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफआई), रेड क्रॉस और अन्य एजेंसियों की मदद आसान होगी। संयुक्त राष्ट्र और एनजीओ ने जताई चिंता इस्राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र और कई गैर-सरकारी संगठनों ने चेताया है कि गाजा में लाखों लोग कुपोषण और भूख का सामना कर रहे हैं। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की स्थिति गंभीर होती जा रही है। इन संगठनों का कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं पहुंचाई गई, तो यह एक बड़े मानवीय संकट में बदल सकता है। भूख के साथ सुरक्षा भी बनी चुनौती हालांकि, राहत एजेंसियों का कहना है कि भोजन पहुंचाने के लिए केवल फायरिंग रोकना काफी नहीं है। गाजा के अंदर कई जगहों पर सुरक्षा की स्थिति अस्थिर है, जिससे सप्लाई चैन लगातार बाधित हो रही है। इसके साथ ही, कई इलाके ऐसे भी हैं जहां तक पहुंचना अब भी लगभग नामुमकिन है।

कमला हैरिस पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप मुकदमा चलाने की कर दी मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर कमला हैरिस पर भड़क उठे हैं। इस बात तो उन्होंने कमला हैरिस के खिलाफ मुकदमा तक चलाने की मांग कर डाली। ट्रंप का कहना है कि कमला हैरिस और कुछ अन्य शीर्ष अमेरिकी सेलेब्स ने 2024 के चुनाव अभियान के दौरान पैसे लिए। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है। इससे चुनावी अभियान के आर्थिक कानूनों का उल्लंघन हुआ है। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल मीडिया अकाउंट पर इस बारे में लिखा है। गौरतलब है कि इस वक्त ट्रंप खुद एप्सटीन केस को लेकर विवादों में घिरे हुए हैं। इसमें ट्रंप ने आरोप लगाया है कि कमला हैरिस ने गायिका बियॉन्से, टीवी होस्ट ओपरा विन्फ्रे, और सिविल राइट्स एक्टिविस्ट अल शार्पटन जैसे सितारों के समर्थन के बदले लाखों डॉलर खर्च किए। उन्होंने कहा कि यह समर्थन अभियान असली नहीं, थे बल्कि पैसे देकर हासिल किए गए थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि क्या होगा यदि नेता सभी समर्थन करने वालों को पैसे देना शुरू कर दें? उन्होंने लिखा कि कमला और उन सभी ने, जिन्होंने पैसे लिए उन्होंने कानून तोड़ा है। इन सभी पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह हमला उस वक्त किया है जब वह खुद जेफ्री एप्सटीन केस फाइल विवाद से घिरे हुए हैं।

टेकऑफ से पहले लैंडिंग गियर में लगी आग, क्रैश होने से बाल-बाल बचा विमान; 179 लोग थे सवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक बड़ा विमान हादसे का गवाह बनने से बाल-बाल बचा है। डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार दोपहर एक बड़ा विमान हादसा उस समय टल गया जब अमेरिकन एयरलाइंस की फ्लाइट एए 3023 के लैंडिंग गियर में आग लग गई। यह घटना उस समय हुई जब विमान टेकऑफ की तैयारी ही कर रहा था। विमान में सवार सभी 173 यात्री और 6 क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, एक यात्री को मामूली चोट के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य पांच यात्रियों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। यह घटना शनिवार दोपहर लगभग 2:45 बजे (अमेरिका के समय के मुताबिक) हुई, जब फ्लाइट एए 3023 डेनवर से मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाली थी। विमान रनवे 34रु पर टेकऑफ की तैयारी में था, तभी लैंडिंग गियर में एक टायर में खराबी सामने आई। इसके कारण उसमें आग लग गई। डेनवर फायर डिपार्टमेंट और एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। सभी यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड्स के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। अमेरिकन एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि की है कि विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था और उसमें टायर से संबंधित तकनीकी समस्या आई

थी। एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित विमान को सेवा से हटा दिया गया है और पूरी जांच की जाएगी। विमान को गेट सी34 से रवाना होना था और निर्धारित समय दोपहर 1:12 बजे था। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने इसे संभावित लैंडिंग गियर की खराबी के रूप में रिपोर्ट किया है। इस घटना के चलते डेनवर एयरपोर्ट पर दोपहर 2:00 बजे से 3:00 बजे तक ग्राउंड स्टॉप लागू किया गया, जिससे 87 उड़ानों में देरी हुई। हालांकि शाम तक सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू हो गई थीं। गौरतलब है कि अमेरिकन एयरलाइंस के साथ डेनवर में यह दूसरी बड़ी घटना है। मार्च 2025 में, इसी एयरलाइन के एक अन्य विमान में इंजन में खराबी आने के कारण आपात लैंडिंग करनी पड़ी थी। अमेरिकन एयरलाइंस ने यात्रियों को मियामी ले जाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की, जिसने शाम को उड़ान भरी। अमेरिकन एयरलाइंस ने पुष्टि की कि विमान के टायर में तकनीकी खराबी थी, जिसकी वजह से इसे सर्विस से हटा लिया गया है। इसकी जांच की जा रही है।

मॉल में घुसा शख्स और लोगों पर चलाने लगा चाकू, अमेरिका में दिल दहलाने वाली घटना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन स्थित वॉलमार्ट मॉल में चौंकाने वाली घटना हुई है। यहां पर एक व्यक्ति ने चाकू मारकर 11 लोगों को घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक इस घटना को 42 वर्षीय व्यक्ति ने अंजाम दिया। वह शाम करीब पौने पांच बजे मॉल में घुसा और अचानक से लोगों पर हमला करने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस वहां पर पहुंची और संदिग्ध को दबोच लिया, लेकिन तब तक वह 11 लोगों पर हमले कर चुका था। घटना में छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल अमेरिकी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना के पीछे हमलावर का मकसद क्या था, यह अभी तक पता नहीं चला है। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना का जो विवरण दिया है वह काफी दिल दहलाने वाला है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एक व्यक्ति की तो आंखों में चाकू मार दिया गया। मॉल की कर्मचारी ताशा नाश ने चैनल2 को बताया कि वह

चाकू के साथ अंदर आया। देखते ही देखते उसने छह लोगों को चाकू माना। मैंने देखा कि एक व्यक्ति की आंखों में चाकू घुसा हुआ था।

वह लोगों पर हमले कर रहा था, तभी मॉल में मौजूद कुछ लोगों ने बहादुरी दिखाई। उन लोगों ने हमलावर को दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस आई और उसे हिरासत में लिया। हालांकि अभी हमलावर का नाम सामने नहीं आया है। ट्रैवर्स सिटी से लगभग 25 मील दूर ऑनर में रहने वाली 36 वर्षीय टिफनी डेफेल ने बताया कि जब वह पार्किंग स्थल पर थीं तभी उन्होंने अपने आस-पास अफरा-तफरी मची देखी। उन्होंने कहा कि यह वाकई डरावना था। मैं और मेरी बहन बहुत घबरा गए थे। 'मुनसन हेल्थकेयर' ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि उत्तरी मिशिगन स्थित इस अस्पताल में 11 लोगों का इलाज किया जा रहा है। अस्पताल की प्रवक्ता मेगन ब्राउन ने बताया कि सभी लोग चाकू लगने से घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात तक छह घायलों की हालत नाजुक थी और पांच की हालत गंभीर थी। मिशिगन राज्य पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। शीया ने बताया कि संदिग्ध संभवतः मिशिगन का निवासी है लेकिन उन्होंने और जानकारी देने से इनकार कर दिया। गवर्नर ग्रेचेन व्हिटमर ने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा कि वह जांच में कानून प्रवर्तन एजेंसी का सहयोग कर रहा है। बयान में कहा गया कि इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है। हमारी संवेदनाएं घायलों के साथ हैं और हम त्वरित कार्रवाई के लिए बचावकर्मियों के आभारी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के शख्स पर जानलेवा हमला

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में शनिवार को भारतीय मूल के एक नागरिक सौरभ आनंद पर मेलबर्न के सेंट्रल स्क्वायर शॉपिंग सेंटर के बाहर पांच नाबालिगों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों में सौरभ के हाथ से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने बताया कि शाम को फार्मेसी से दवा लेकर लौट रहे थे। इस दौरान एक दोस्त से फोन पर बात कर रहे थे, तभी पांचों लड़कों ने पीछे से उन पर हमला कर दिया। एक लड़के ने उनकी जेब टटोली, दूसरे ने उन्हें मुक्कों से पीटा, और तीसरे ने चाकू उनकी गर्दन पर रखा। सौरभ ने बचाव में हाथ उठाया, तो उसी चाकू से उनकी कलाई काट दी। सौरभ ने अस्पताल में बताया कि- मुझे बस दर्द याद है, मेरा हाथ बस एक धागे से लटक रहा था। हमले मे उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर टूटने और सिर में चोटें आई हैं।

अभी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता : राहगीरों ने सौरभ की चीखें सुनीं और इमरजेंसी सर्विस को बुलाया। रॉयल मेलबर्न अस्पताल में सर्जनों ने कई घंटों की सर्जरी के बाद उनके हाथ को जोड़ा, लेकिन शुरू में इसे काटने की बात भी हुई थी। उनकी कलाई और हाथ में स्क्रू डाले गए हैं। सौरभ सीरियस मेडिकल निगरानी में हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अभी उनकी रिकवरी को लेकर कुछ कहा नहीं जा सकता। सौरभ ने कहा- मैं अपना हाथ हिला नहीं सकता, बस दर्द महसूस होता है।

हमले के 5 में 4 आरोपी हिरासत में : पुलिस ने पांच में से चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। एक 14 साल के आरोपी पर गंभीर चोट पहुंचाने, लूट और गैरकानूनी हमले के आरोप हैं। वहीं दो 15 साल और एक अन्य 14 साल के आरोपी पर भी अलग-अलग आरोप लगे हैं। ये सभी अगस्त में कोर्ट में पेश होंगे। सौरभ ने दुख जताया कि दो आरोपियों को जमानत मिल गई। उन्होंने कहा, मैं न्याय चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि यह घटना बदलाव का कारण बने।

4 दिन पहले भी भारतीय पर हमला हुआ था : ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में भी 4 दिन पहले एक भारतीय छात्र पर बेरहमी से हमला किया गया था। तब चरणप्रीत सिंह अपनी पत्नी के साथ कार से शहर के लाइट शो देखने निकला था। इसी दौरान किंटोर एवेन्यू के पास रात 9 बजे कार पार्किंग को लेकर उसकी स्थानीय लोगों से बहस हो गई।

थाइलैंड और कंबोडिया तत्काल युद्धविराम के लिए बातचीत पर सहमतः डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि थाइलैंड और कंबोडिया तत्काल युद्धविराम पर बातचीत करने के लिए सहमत हो गए हैं। दोनों देशों में तीन दिनों तक चली घातक झड़पों में 30 लोग मारे गए और 1 लाख 30 हजार से अधिक विस्थापित हुए हैं। स्कॉटलैंड की यात्रा पर गए ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा, मैंने कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत और थाइलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायचाई से अलग-अलग बात की। दोनों नेताओं को चेतावनी दी कि अगर लड़ाई जारी रही तो संभावित अमेरिकी व्यापार सौदे खतरे में पड़ सकते हैं। दोनों पक्ष तत्काल युद्धविराम और शांति की तलाश में हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, दोनों देश व्यापारिक मेज पर लौटने के लिए उत्सुक हैं। वे तुरंत मिलने और जल्दी से युद्धविराम व आखिरकार शांति स्थापित करने के लिए काम करने पर सहमत हुए हैं! हालांकि, व्हाइट हाउस और संबंधित दूतावासों ने बातचीत के विवरण की पुष्टि नहीं की है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कंबोडिया और थाइलैंड के सशस्त्र बलों के बीच तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम की इच्छा जताई। मानेट ने कहा कि उन्होंने शनिवार रात राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सशस्त्र झड़पों के मुद्दे पर फोन पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ट्रंप ने इच्छा व्यक्त की कि वे ऐसा युद्ध या लड़ाई नहीं चाहते, जिससे दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों सहित कई लोगों की मौत हो जाए या वे घायल हो जाएं। उन्होंने दोनों देशों के बीच तत्काल युद्ध विराम

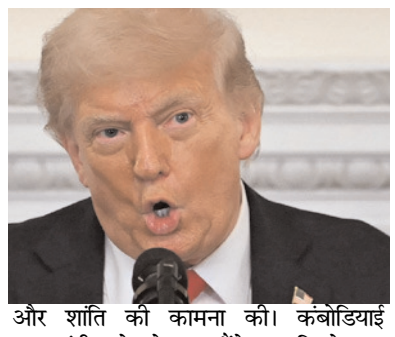

और शांति की कामना की। कंबोडियाई प्रधानमंत्री मानेट ने कहा, मैंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट कहा कि कंबोडिया दोनों सशस्त्र बलों के बीच तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम के प्रस्ताव से सहमत है। मानेट ने कहा कि उन्होंने कंबोडिया के उप-प्रधानमंत्री, विदेश व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री प्राक सोखोन को युद्ध विराम प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ चर्चा करने की जिम्मेदारी सौंपी है। मालूम हो कि कंबोडिया और थाइलैंड के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में गुरुवार को झड़पें शुरू हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष शनिवार को भी जारी रहा। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने की मांग की है। इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

30 लाख की केमिकल ठगी का भंडाफोड़

सचिन GIDC पुलिस ने हैदराबाद से पिता-पुत्र को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सचिन GIDC थाना क्षेत्र में लाखों रुपये की केमिकल धोखाधड़ी का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तेलंगाना के हैदराबाद से एक पिता-पुत्र समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने कुल 30,62,413 कीमत का केमिकल ऑनलाइन ऑर्डर देकर मंगवाया था, लेकिन पेमेंट किए बिना ही कंपनी बंद करके फरार हो गए थे।

सचिन GIDC में स्थित एक कंपनी ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 'हर्म्स केमिकल कंपनी प्रा. लि.' के नाम पर कृणाल अशोक सिग्डिया और उसके पिता अशोक मोहनलाल सिग्डिया ने ऑनलाइन ऑर्डर देकर अलग-अलग बिल और चालान के माध्यम से कुल 30,62,413 मूल्य का केमिकल मंगवाया। माल प्राप्त करने के बाद, आरोपियों ने शिकायतकर्ता कंपनी को भुगतान नहीं किया और अपनी कंपनी बंद करके फरार हो गए। इस मामले में कंपनी ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद सचिन GIDC पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सचिन GIDC पुलिस की एक टीम ने आरोपियों का पता लगाना शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी तेलंगाना के हैदराबाद में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम हैदराबाद पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

ऑर्डर देकर केमिकल लिया और बिना पैसे दिए फरार हो गए

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इस प्रकार हुई:

कृणाल अशोक सिग्डिया (उम्र 36), निवासी: घर नं. 10-3-3, अशोक निकेतन बंगलोज़, ईस्ट मेरिडल्ली, सेनॉई नर्सिंग होम के पास, सिकंदराबाद, हैदराबाद (तेलंगाना)

अशोक मोहनलाल सिग्डिया (उम्र 73), व्यवसाय: सेवानिवृत्त, निवासी: एजन, हैदराबाद

पुलिस अब आगे की जांच कर रही है कि क्या इस तरह की ठगी और भी कंपनियों के साथ की गई है।

गांधीनगर में फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट अनिवार्य नियम न मानने वालों पर कानूनी कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर महानगरपालिका के फायर एंड इमरजेंसी विभाग ने शहर के निवासियों, व्यापारियों और संस्थानों को आग से सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी है। राज्य में फायर सेफ्टी फ्रेमवर्क को मजबूत बनाने के उद्देश्य से गुजरात फायर सेफ्टी कंप्लायंस पोर्टल कार्यरत है। यह पोर्टल मुख्यमंत्री द्वारा 15 दिसंबर 2023 को लॉन्च किया गया था और इसका गजट नोटिफिकेशन 13 दिसंबर 2023 को जारी किया गया, जो http://gujfiresafetyco.in/content/regulations वेबसाइट पर उपलब्ध है। गुजरात सरकार के 8 जुलाई 2021 के नोटिफिकेशन के अनुसार, शेड्यूल-3 में सूचीबद्ध सभी प्रकार की इमारतों के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य है। इनमें शामिल हैं:

आवासीय इमारतें,होटल, अपार्टमेंट,शैक्षणिक संस्थान अस्पताल एवं नर्सिंग होम सिनेमा हॉल,पार्टी प्लॉट शॉपिंग मॉल,मेट्रो/रेलवे स्टेशन व्यावसायिक इमारतें,गोदाम/स्टोरेज ,खतरनाक इमारतें (Hazardous buildings)

फायर सेफ्टी से संबंधित सभी आवेदन केवल गुजरात सरकार की वेबसाइट http://gujfiresafetyco.in के माध्यम से ऑनलाइन ही किए जा सकते हैं। इन आवेदनों में शामिल हैं:फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट अप्रूवल फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट का नवीनीकरण अस्थायी संरचनाओं के लिए फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट का अप्रूवल इमारतों में फायर सिस्टम की नियमित ट्रेनिंग और मॉक ड्रिल करवाना भी अनिवार्य है। फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट का नवीनीकरण केवल सरकार से प्रशिक्षित योग्य फायर सेफ्टी अधिकारी (FSO) के माध्यम से ऑनलाइन पोर्टल के जरिए ही करवाना होगा। फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट प्राप्त करने, फायर सिस्टम को चालू स्थिति में बनाए रखने और उसका समय पर नवीनीकरण करवाने की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित इमारत के मालिकों, पदाधिकारियों, संचालकों या कब्जाधारकों की होगी। जो लोग नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य शहर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना है,

सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

रविवार, 27 जुलाई 2025 को सूरत के सिटीलाईट साइंस सेंटर में गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री सी. आर. पाटिल साहब की अध्यक्षता में सूरत शहर गोविंदा उत्सव समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में भागल चार रास्ता, लिम्बायत और अडाजन मोराबागल क्षेत्रों में होने वाली मटकीफोड़ प्रतियोगिताओं की रूपरेखा और ड्रॉ निकाले गए।

इस बैठक में समिति के प्रमुख गणेशभाई पी. सावंत, अशोकभाई दूधाने, दीपकभाई कदम, चंद्रकांतभाई निमालकर, परेशभाई मोरे, अशोकभाई पोटे, जयेशभाई घोघरेकर, लक्ष्मणभाई डीगे, प्रकाशभाई महालुंगे, प्रदीपभाई मोरे, हरीशभाई सपकाल, जुगलभाई कदम, कमलाकरभाई मोरे, संजयभाई देविलकर, संतोषभाई शेडगे, संतोषभाई कदम, रूपेशभाई कोंडालकर, रमेशभाई धुमाल, जीगीभाई कदम, दीपकभाई शिंदे, हरीशभाई पगारे, जयेशभाई सोनार और महिला सदस्याएं नलीनीबेन शेडगे, प्रेरणाबेन शिंदे, नयनाबेन सालुंके, रेश्माबेन राजीवड़े, कामिनीबेन कदम, जयाबेन सावंत, अमीबेन कुडपाने, हेतलबेन जाधव, धर्मिष्टिबेन तांदलेकर, गीताबेन पवार, उर्मिलाबेन कडू, तेजलबेन कदम, अनिताबेन गायकवाड़, दक्षाबेन देविलकर उपस्थित थीं।

इस बैठक में भागल चार रास्ता पर गोविंदा ड्रॉ, यूथ फॉर गुजरात द्वारा लिम्बायत के ड्रॉ और अडाजन क्षेत्र में "तापी नमस्तुभ्यम" मटकीफोड़ कार्यक्रम की योजना और ड्रॉ निकाले गए। बैठक में समिति प्रमुख गणेशभाई पी. सावंत, यूथ फॉर गुजरात प्रमुख श्री जिग्नेशभाई पाटिल, पूर्व भाजपा उपाध्यक्ष श्री छोटुभाई पाटिल, कॉर्पोरेटर श्री कुणालभाई सेलर भी उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न गोविंदा मंडल और महिला मंडल के प्रमुखों ने भी सहभागिता निभाई।

पिछले वर्ष 2024 में मटकीफोड़ के दिन भागल चार रास्ता पर सुखानंद व्यायाम शाला - वाडिफलिया ने 8-स्तरीय पिरामिड बनाकर गुजरात में पहली बार मुख्य मटकी को सलामी दी थी।

श्री सिद्धि स्पोर्ट्स क्लब - अडाजन ने 7-स्तरीय पिरामिड बनाकर मुख्य मटकी को सलामी दी थी।

वहीं आर.के. स्पोर्ट्स महिला मंडल - रुदरपुरा ने 5-स्तरीय पिरामिड के साथ सलामी दी थी। जय भवानी महिला मंडल - अम्बाजी रोड जो हर वर्ष भागल में महिला मटकीफोड़ में सक्रिय रूप से भाग लेता है, ने भी उपस्थिति दर्ज करवाई।

उधना ज़ोन में विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: नगर प्राथमिक शिक्षा समिति, सूरत द्वारा संचालित उधना ज़ोन की विद्यालय में कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट वितरित करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शाला क्रमांक 264/223/224/262 - साईंबाबा नगर, विधालय क्रमांक 206/197 तथा शाला क्रमांक 202-उधना में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र कपाड़िया, सदस्य शैलेष शुक्ल, सी.आर. सी. अंकलेश, विधालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकगण,

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति अध्यक्ष राजेन्द्र कपाड़िया और अन्य सदस्य उपस्थित रहें

शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ शैक्षणिक किट प्राप्त की और पढ़ाई में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

युवा क्रिकेट बैश का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा युवा क्रिकेट बैश का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे से वेसु स्थित टर्फ पर किया गया। क्रिकेट बैश में आठ टीमों में कुल 72 युवा शाखा के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

क्रिकेट बैश का फाइनल मुकाबला आर्य लायंस और उद्यम सूत्रस के बीच खेला गया, जिसमे आर्य लायंस ने जीत कर ट्रॉफी अपने नाम किया।

इस अवसर युवा शाखा के अध्यक्ष अंकित झुनझुनवाला, भरत सर्राफ, मोहित भिवानीवाला, संचित गोयल, समवेद पंसारी के अलावा युवा शाखा के 100 से अधिक सदस्य उपस्थित रहें।

Legal Ambit ने गुजरात और तमिलनाडु की घटना पर फरियाद पर NHRC ने चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गुजरात और तमिलनाडु राज्य नोटिस जारी किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात घटनाक्रम:

गुजरात के पटाखा फैक्ट्री विस्फोट पर एनएचआरसी सख्त, ली संज्ञान - 18 मज़दूरों की मौत पर गुजरात श्रमायुक्त और पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब।

नई दिल्ली/गांधीनगर। पटाखा फैक्ट्री में हुए दर्दनाक हादसे को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीर रुख अपनाते हुए गुजरात के श्रमायुक्त और बनासकांठा/पालनपुर के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किया है और चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकेन रिपोर्ट) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। यह संज्ञान मानवाधिकार कार्यकर्ता और लीगल एम्बिट महाराष्ट्र के राज्य अध्यक्ष असिफ अबिद खान द्वारा 01 अप्रैल 2025 को दायर की गई शिकायत पर आधारित है, जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि गुजरात में एक अवैध रूप से संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने के कारण 18 मजदूरों की मौत हो गई, 03 की हालत गंभीर बनी हुई है, और 05 मजदूरों को मामूली चोटें आई हैं। शिकायत में बताया गया कि फैक्ट्री को केवल पटाखों की बिक्री की अनुमति थी, निर्माण की नहीं। इसके बावजूद निर्माण कार्य चलाया जा रहा था। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि मजदूरों के शवों के अंग 50 मीटर तक बिखरे मिले और मलबा 100 मीटर तक फैल गया। खास बात यह रही कि मज़दूर केवल दो दिन पहले ही वहां काम पर रखे गए थे। आयोग ने इसे मानवाधिकारों का गंभीर हनन मानते हुए धारा 12 के अंतर्गत मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत संज्ञान लिया है। मामले की सुनवाई एनएचआरसी के सदस्य प्रियंक कानूनगो की पीठ द्वारा की गई, जिन्होंने श्रमायुक्त गुजरात और पालनपुर पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि वे उक्त आरोपों की जाँच कर कार्यवाही रिपोर्ट चार सप्ताह में आयोग को प्रस्तुत करें। आयोग ने स्पष्ट किया है कि रिपोर्ट एचआरसीनेट पोर्टल ((https://hrcnet.nic.in)) के माध्यम से प्रस्तुत की जाए और किसी भी प्रकार की अन्य डिजिटल सामग्री स्पीड पोस्ट या अधिनियम के अनुसार जमा की जाए। यह मामला न केवल कार्यस्थल सुरक्षा की अनदेखी को उजागर करता है, बल्कि संबंधित प्रशासनिक निकायों की जिम्मेदारी और जवाबदेही पर भी सवाल खड़ा करता है।

तमिलनाडु घटनाक्रम:

तमिलनाडु पुलिस कस्टडी में संदिग्ध मौत पर एनएचआरसी सख्त, पुदुकोट्टई एसपी से रिपोर्ट।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली द्वारा दिनांक: 25 जुलाई 2025 तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले में पुलिस हिरासत में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाते हुए जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने इस मामले में चार सप्ताह के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट (एक्शन टेकेन रिपोर्ट - अत्र) प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला लीगल एम्बिट महाराष्ट्र के राज्य अध्यक्ष असिफ अबिद खान द्वारा 25 नवम्बर 2024 को दायर की गई शिकायत पर आधारित है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ड्रग्स के एक मामले में पुदुकोट्टई में 12 अन्य व्यक्तियों के साथ गिरफ्तार किए गए 36 वर्षीय व्यक्ति की हिरासत में मौत हो गई। पुलिस द्वारा उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस मौत को लेकर गहरी आशंका जताई गई है कि यह पुलिसिया अत्याचार और हिरासत में हुई हिंसा का परिणाम हो सकता है। शिकायत में पुलिस की पारदर्शिता की कमी और जवाबदेही की विफलता पर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आयोग ने प्रथम दृष्टया इसे मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान लिया है। सुनवाई सदस्य प्रियंक कानूनगो की पीठ द्वारा की गई। आयोग ने पुदुकोट्टई के पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया है कि वह इस शिकायत की पूरी जांच कराएं और इसकी रिपोर्ट चार सप्ताह के भीतर आयोग के समक्ष प्रस्तुत करें। यह रिपोर्ट एचआरसीनेट पोर्टल ((https://hrcnet.nic.in)) के माध्यम से जमा करानी होगी। यह मामला पुलिस हिरासत में हो रही मौतों को लेकर देशभर में गूंजते सवालों को एक बार फिर उजागर करता है। पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता, मानवाधिकारों की सुरक्षा और जवाबदेही की आवश्यकता को लेकर यह एक अहम पड़ाव बन सकता हैं।

"अपने घर के टेलीफ़ोन ला नंबर दे दो श्याम" भजन का हुआ विमोचन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत के भजन गायक कलाकार अमित शेरेवाला द्वारा श्री श्याम बाबा का भजन च्अपने घर के टेलीफ़ोन ला नंबर दे दो श्यामज्ज भजन का विमोचन किया गया। यह भजन आज से तीस साल पहले 1995 में अहमदाबाद के नंदकिशोर शर्मा द्वारा लिखा गया था।

तब ये कल्पना की गई थी की आने वाले समय इतनी भीड़ होगी की भक्त बाबा श्याम के मंदिर में लाइन लगाकर दर्शन करेंगे। इसीलिए भक्त बना के नंबर माँग रहा है। भजन का विमोचन करने के बाद यह भजन पूरे हिन्दुस्थान में धूम से चलने लगा गया। यह भजन तेजी से भक्तों के दिल में जगह बना रहा है।

वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में रविवार को च्हर घर से एक पेड़, एक सुंदर कल की ओरज्ज कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। नंदिनी-1 प्रबंधन एवं सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रविवार को सुबह साढ़े नौ बजे से सोसायटी के ग्राउंड एवं गार्डन में अनेकों तरह के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पेड़ों के महत्व को समझाया गया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों के अलावा सोसायटी के अनेकों महिला, पुरूष सदस्य उपस्थित रहें।